E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 153 | गुवाहाटी | बुधवार, 1 जनवरी, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

महाकुंभ 2025 : रेलवे चलाएगा 3000 स्पेशल ट्रेन पेज 2
बोड़ोलैंड मिशन बिस्वमूथी : एक वर्ष में 101996 भूमि समस्याओं का समाधान पेज 3
उप्र पुलिस के किए गए एनकांउटर की हो न्यायिक जांच : एसजीपीसी पेज 5
दिग्गज भारतीय फुटबॉलर सुनील छेत्री ने दो दशक के शानदार... पेज 7

शुभकामना

विकसित भारत समाचार के पाठकों, एजेंटों, हॉकरों एवं विज्ञापनदाताओं को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं।
– संपादक

नववर्ष का कैलेंडर

आज के अंक के साथ संलग्न है।

शर्मा हार्डওয়্যার
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

कार्य के मध्य में अति विलंब और आलस्य उचित नहीं है।
– आचार्य चाणक्य

अलविदा 2024

नए साल के जश्न में डूबी दुनिया

नई दिल्ली। दुनिया के कई देशों में नए साल के आगाज के साथ जश्न भी मनाया गया। जापान और दक्षिण कोरिया में नए साल का आगाज हो चुका है। टोक्यो के टोकुदाई-जि मंदिर में घंटी बजाकर पारंपरिक अंदाज में नए साल का लोगों ने स्वागत किया गया। सिंगापुर में भी नए साल का जश्न मनाया गया। दक्षिण कोरिया में नए साल का जश्न सादगीपूर्ण रहा। इसकी वजह ये है कि 29 दिसंबर को विमान हादसे में 179 लोगों की मौत हो गई थी। हालांकि भारत में खबर लिखे जाने तक कुछ ही देर में नए साल-2025 का आगाज होगा। वहीं ऑस्ट्रेलिया के डार्विन, ऐलिस स्प्रिंग्स और टेनेंट क्रीक जैसे शहरों में 2025 का जश्न मनाया गया। आतिशबाजी और सांस्कृतिक कार्यक्रम हो रहे हैं। लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा है। सिडनी, मेलबर्न और ब्रिसबेन जैसे शहरों में आतिशबाजी और समारोहों ने शहरों को जगमग कर दिया। नए साल के स्वागत के लिए सिडनी में खास -शेष पृष्ठ दो पर

ब्रह्मपुत्र पर चीन के विशाल बांध से असम और अरुणाचल में आपदा की आशंका : विशेषज्ञ

गुवाहाटी। पूर्वी तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी के यारलुंग त्सांगपो घाटी पर 60,000 मेगावाट बिजली पैदा करने के लिए प्रस्तावित चीनी मेगा बांध से असम और अरुणाचल प्रदेश में विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं, क्योंकि यह असम के मैदानों से 2 किमी की ऊंचाई पर स्थित है और भूवैज्ञानिक अस्थिरता के साथ अत्यधिक भूकंपीय क्षेत्र में स्थित है। अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त नदी विशेषज्ञ और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की के पूर्व प्रोफेसर नयन शर्मा ने कहा कि निचले तटवर्ती देश के रूप में संबंधित आपदा मुद्दों के साथ जोखिम आकलन के लिए भारत सरकार को चीन से भारत और बांग्लादेश दोनों को शामिल करते हुए एक व्यापक बांध टूटने के विश्लेषण के लिए अनुरोध करना चाहिए। प्रस्तावित बांध के संभावित परिणामों पर बात करते हुए, प्रो. शर्मा ने कहा कि वर्तमान में भारत का चीन के साथ जल बंटवारे पर कोई समझौता नहीं है। हालांकि, अन्य सीमा पार नदियों में अपनाई जाने वाली अंतर्राष्ट्रीय प्रथा के अनुसार, भारत के लिए बांध टूटने की स्थिति में नागरिकों के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक बांध टूटने के विश्लेषण की मांग करना -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम ने लोगों को अंग्रेजी नववर्ष की शुभकामनाएं दी

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने असम के लोगों को अंग्रेजी नववर्ष 2025 की बधाई व शुभकामनाएं दी हैं। डॉ. शर्मा ने मंगलवार को एक बयान जारी कर कहा कि नया साल हमेशा एक ऐसा अवसर होता है, जो नई आशाएं और आकांक्षाएं पैदा करता है। उन्होंने कहा कि नया साल 2025 सभी जाति, पंथ, भाषा और धर्म से संबंधित राज्य के लोगों को आगे बढ़ने और राज्य के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित करेगा। -शेष पृष्ठ दो पर

वर्ष 2024 का अंत: पर्यावरण संकट में!

गुवाहाटी। राज्य के सामान्य पर्यावरणीय परिदृश्य, साथ ही राज्य की राजधानी गुवाहाटी में भी, खुश होने के लिए कुछ खास नहीं है क्योंकि हम एक और साल के अंत के करीब हैं। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में, प्राकृतिक पर्यावरण, जिसमें जंगल, पेड़, आर्द्रभूमि आदि शामिल हैं, के विनाश और गिरावट की चिंताजनक प्रवृत्ति कम होने से इनकार कर रही है, भले ही प्रकृति पर मानवीय बर्बरता के कारण अपरिहार्य प्रतिक्रियाएं हुई हों। हमारे पास काजीरंगा, मानस या पोबितोरा से जुड़ी एक या दो सफलता की कहानियां जरूर हैं, लेकिन राज्य में वनों के समग्र क्षरण के संदर्भ में देखा जाए तो यह दीर्घकालिक संरक्षण या स्वस्थ पर्यावरण बनाए रखने के लक्ष्य को प्राप्त करने की बहुत उम्मीद नहीं जगाता है। राज्य हर साल वन भूमि के बड़े हिस्से से अलग हो रहा है, नवीनतम भारत वन स्थिति रिपोर्ट 2023 के अनुसार 2021 और 2023 के बीच 83.92 वर्ग किमी वनों का नुकसान हुआ है। परेशानियों को और बढ़ाते हुए, *रिकॉर्डेड वन क्षेत्र* के अंदर -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेशी घुसपैठिया बनी गांव की प्रधान, सवालों के घेरे में टीएमसी

मालदा। मालदा जिले के रशीदाबाद ग्राम पंचायत की मुखिया लवली खातून पर कई गंभीर आरोप लगे हैं। दावा किया गया है कि लवली खातून, जिनका असली नाम नसिया शेख है। वो बांग्लादेश से अवैध रूप से भारत में आईं और फर्जी दस्तावेजों के जरिए भारतीय नागरिकता हासिल कर पंचायत चुनाव लड़ा। इसके बाद वह टीएसी की पंचायत प्रमुख बन गईं। इस मामले ने न सिर्फ मालदा, बल्कि पूरे बंगाल में राजनीतिक हलचल पैदा कर दी है। लवली खातून पर आरोप है कि उनका असली नाम नसिया शेख बताया जा रहा है और वो बांग्लादेश की निवासी हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर हिंसा को लेकर सीएम बीरेन सिंह ने मांगी माफी

इंफाल। मणिपुर हिंसा को लेकर सीएम एन बीरेन सिंह ने जनता से माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि यह पूरा साल बेहद खराब रहा। मैं राज्य के लोगों से पिछले साल तीन मई से लेकर आज तक जो कुछ भी हुआ है, उसके लिए माफी मांगता हूं। कई लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया। कई लोगों ने अपना घर छोड़ दिया। मुझे इसका दुख है। पिछले तीन-चार महीनों में शांति की स्थिति देखकर मुझे उम्मीद है कि 2025 में राज्य में सामान्य स्थिति बहाल हो जाएगी। मणिपुर में बीते साल मई से जातीय हिंसा चल रही है, जिसमें अब तक 200 से ज्यादा लोग मारे गए हैं और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं। नवंबर में मणिपुर के जिरीबाम में तीन महिलाओं और उनके तीन बच्चों की हत्या के बाद भी बवाल हुआ। राज्य में लगातार हो रही हिंसा के चलते एन बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार भारी दबाव में है और बीरेन सिंह को पद से हटाने की मांग जोर पकड़ रही है। एनडीए की सहयोगी एनपीपी ने भी मणिपुर सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया है -शेष पृष्ठ दो पर

नए साल से ठीक पहले महिलाओं और सुरक्षा बलों के बीच झड़प

इंफाल। मणिपुर में एक बार फिर से संघर्ष की स्थिति देखने को मिली है। मंगलवार को कांगपोकपी जिले में कुकी समुदाय की महिलाओं की सुरक्षा बलों के साथ झड़प हो गई। झड़प के बाद एक बार फिर से इलाके में तनाव की स्थिति पैदा हो गई। हालांकि, सुरक्षा बलों ने समय रहते हुए हल्का बल प्रयोग करके भीड़ को तितर-बितर कर दिया। फिलहाल हालात काबू में और शांतिपूर्ण बताए जा रहे हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

करीमगंज का नाम बदलकर श्रीभूमि करने पर बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन

गुवाहाटी। असम के श्रीभूमि (करीमगंज) में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुआ और लगभग 300,000 हस्ताक्षर राज्यपाल को सौंपे गए, जिसमें जिले का नाम बदलकर *श्रीभूमि* करने का विरोध किया गया। यह कदम कथित तौर पर इस चिंता से प्रेरित है कि *करीम* नाम को *अत्यधिक मुस्लिम* माना जाता है, जिससे स्थानीय लोगों में व्यापक आक्रोश फैल गया है। हाफिज रशीद अहमद चौधरी सहित प्रदर्शनकारी नेताओं ने नाम बदलने की कड़ी आलोचना की और दावा किया कि यह राजनीति से प्रेरित है और इसका उद्देश्य हिंदुओं और मुसलमानों के बीच मतभेद पैदा करना है। चौधरी ने कहा कि यह निर्णय लोगों से परामर्श या उचित चर्चा के बिना लिया गया है, उन्होंने -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

राष्ट्रपति ने देशवासियों को नववर्ष की शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को नववर्ष 2025 की पूर्व संध्या पर सभी देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। राष्ट्रपति ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि नववर्ष के उल्लासपूर्ण अवसर पर मैं देश और विदेशों में रहने वाले सभी भारतीयों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। उन्होंने कहा कि नववर्ष का आगमन हमारे जीवन में नई आशा, नए सपनों और नई आकांक्षाओं के शुभारंभ का प्रतीक -शेष पृष्ठ दो पर

केजरीवाल ने चुनाव देख बदला रंग सरकार के पास पैसा नहीं : दिल्ली के पुजारी

नई दिल्ली। अरविंद केजरीवाल ने पुजारियों और ग्रंथियों को 18,000 रुपए हर महीने देने की घोषणा कर नई बहस छेड़ दी है। आम आदमी पार्टी कह रही है कि इस घोषणा के बाद दिल्ली के पुजारी उसके साथ आ गए हैं। लेकिन दिल्ली के अनेक पुजारियों ने कहा कि अरविंद केजरीवाल दिल्ली में 10 साल से सत्ता में हैं, लेकिन आज तक उन्हें पुजारियों की याद नहीं आई। अब जब उनकी सत्ता से जाने का समय आ गया है, उन्हें पुजारियों की याद आ रही है। भाजपा के मंदिर प्रकोष्ठ में एक पदाधिकारी आचार्य राजीव शुक्ला ने कहा कि अरविंद केजरीवाल कुछ करने वाले नहीं हैं। उन्होंने बुजुर्गों और विधवाओं को भी पेंशन देने के -शेष पृष्ठ दो पर

लघु बचत योजनाओं की ब्याज दर अपरिवर्तित रखने की राह पर सरकार

नई दिल्ली। मंगलवार को वित्त मंत्रालय की ओर से जारी एक अधिसूचना में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही के लिए विभिन्न लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरें, जो 1 जनवरी, 2025 से शुरू होकर 31 मार्च, 2025 को समाप्त होंगी, वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही (1 अक्तूबर, 2024 से 31 दिसंबर, 2024) के लिए अधिसूचित दरों से अपरिवर्तित रहेंगी। अधिसूचना के अनुसार, सुकन्या समृद्धि योजना -शेष पृष्ठ दो पर

छत्तीसगढ़ में छात्रा ने जीभ काटकर शिवलिंग को चढ़ाया

कोरबा/सक्ती (हि.स.)। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिला के डभरा थाना क्षेत्र में सोमवार की सुबह 11 वीं की एक छात्रा ने घर के पास स्थित शिव मंदिर में भगवान शंकर को अपनी जीभ काटकर अर्पित कर दी। इससे मंदिर में खून ही खून दिखाई दे रहा है। घटना के बाद से छात्रा लहूलुहान हालत में मंदिर में मौजूद है। बताया जा रहा है कि जीभ काटने के बाद छात्रा ने मंदिर में खुद को बंद कर लिया है और साधना में लीन हो गई है। पुलिस वालों को गांव के लोगों ने मंदिर के अंदर जाने नहीं दिया। जिला पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा ने घटना की पुष्टि की है। डभरा थाना क्षेत्र के फोगरम चौकी के अंतर्गत देवरघटा गांव -शेष पृष्ठ दो पर

नया साल बांग्लादेश पर पड़ सकता है भारी

बागी छात्र कर सकते हैं नए गणराज्य की घोषणा मिट जाएंगे राष्ट्रपति और सेना प्रमुख जैसे पद

ढाका। बांग्लादेश में इस समय राजनीतिक उथल-पुथल का माहौल है। जहां एक ओर दुनिया नए साल का स्वागत करने की तैयारी कर रही है, वहीं बांग्लादेश में संविधान को लेकर बड़ा फैसला हो सकता है। 31 दिसंबर को बांग्लादेश के 1972 के संविधान को खत्म करने की घोषणा हो सकती है, जिसे शेख मुजीबुर रहमान के शासनकाल में बनाया गया था। इसके अलावा, देश में राष्ट्रपति और सेना प्रमुख जैसे महत्वपूर्ण पदों को भी समाप्त किया जा सकता है। हालांकि इस बारे में अभी तक यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि बांग्लादेश को इस्लामिक देश घोषित किया जाएगा या फिर इसे एक सेकुलर गणराज्य बनाया जाएगा। इस बदलाव के कारण भारत समेत अन्य देशों के लिए चिंता बढ़ सकती है, क्योंकि यह स्थिति बांग्लादेश में राजनीतिक बदलाव -शेष पृष्ठ दो पर

नए साल से पहले कोरोना को लेकर चीन ने किया बड़ा दावा

बीजिंग। नया साल आने वाला है। लेकिन साल 2020 का वो दौर था जब नए साल की आहट में एक महामारी ने दस्तक दी थी और देखते ही देखते लाखों जाने ली थी। कोरोना वायरस कहां से आया, कब आया और कैसे आया। इन सवालों का जब भी जिक्र बोता है तो नजर चीन पर जाकर टिकती है। लेकिन अपनी सबूतों की इमारतों पर चीन इस बात को झूठला देता है या पीछे हट जाता है। अब चीनी सरकार ने कहा कि उसने सबसे अधिक कोविड-19 डेटा और शोध निष्कर्ष अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के साथ साझा किए हैं और इस बात पर जोर दिया कि कोरोना वायरस की उत्पत्ति की जांच अन्य देशों में भी की जानी चाहिए। बीजिंग की यह टिप्पणी विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा देश से महामारी की शुरुआत के पांच साल बाद इसकी उत्पत्ति पर डेटा साझा करने का आग्रह करने के बाद आई है। अब तक हुए कई अध्ययनों में कोविड की उत्पत्ति को चीनी शहर वुहान से जोड़ा गया है। चीनी विदेश मंत्रालय ने दावा किया कि वैश्विक स्तर पर वायरस के स्रोत के बारे में अधिक सुराग सामने आ रहे हैं -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

महाकुंभ 2025 : रेलवे चलाएगा 3000 स्पेशल ट्रेन

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे समेत विभिन्न विभागों में महाकुंभ 2025 की तैयारियां जोरों पर हैं। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों के संगम पर 13 जनवरी, 2025 को शुरू होने वाले इस कार्यक्रम ने बड़े पैमाने पर कार्यबल जुटाया है। लाखों भक्तों की आमद को प्रबंधित करने के लिए, भारतीय रेलवे ने 3,000 विशेष ट्रेनों के संचालन की घोषणा की है, जिसमें रिंग रेल मार्ग पर 560 ट्रेनें शामिल हैं। उत्तर मध्य रेलवे ने नौ प्रमुख स्टेशनों पर टिकटिंग व्यवस्था स्थापित की है, जिनमें प्रयागराज जंक्शन, नैनी, चेओकी, प्रयाग जंक्शन, सूबेदारगंज, फाफामऊ, प्रयागराज रामबाग, प्रयागराज संगम और झूसी शामिल हैं। लगभग 560 टिकटिंग पॉइंट स्थापित किए गए हैं जिनसे प्रतिदिन लगभग 1 मिलियन टिकट जारी होने की उम्मीद है। शीघ्र यात्रा योजना को सुविधाजनक बनाने के लिए, टिकट 15 दिन पहले तक बुक किए जा सकते हैं। रेलवे ने महाकुंभ के दौरान 13,000 से अधिक ट्रेनें संचालित करने की योजना बनाई है, जिसमें 10,000 नियमित सेवाएं और 3,000 विशेष ट्रेनें शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, 560 ट्रेनें रिंग रेल मार्गों पर चलेंगी, जिनमें प्रयागराज-अयोध्या-वाराणसी-प्रयागराज, प्रयागराज संगम-जौनपुर-प्रयाग-प्रयागराज, गोविंदपुरी-प्रयागराज-चित्रकूट-गोविंदपुरी और झांसी-गोविंदपुरी-प्रयागराज-चित्रकूट-मानिकपुर-झांसी मार्ग शामिल होंगे। सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, आरपीएसएफ (रेलवे सुरक्षा विशेष बल) और एसआरपी (राज्य रिजर्व पुलिस) के 18,000 से अधिक कर्मियों को तैनात किया जाएगा। बड़ी संख्या में आगंतुकों को समायोजित करने के लिए 1.60 लाख टेंट और 1.5 लाख शौचालयों का निर्माण किया जा रहा है। 15,000 सफाई कर्मचारियों का कार्यबल स्वच्छता सुनिश्चित करेगा।

कोलकाता में नकली दवाइयों का भंडाफोड़ 6.6 करोड़ रुपए की दवाएं जब्त

कोलकाता (हि.स.)। केंद्रीय औषध मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) और पश्चिम बंगाल औषध नियंत्रण निदेशालय की संयुक्त जांच में कोलकाता में एक थोक विक्रेता के ठिकाने से 6.6 करोड़ रुपए की नकली दवाइयां जब्त की हैं। जांच के दौरान थोक विक्रेता फर्म *केयर एंड क्योर फॉर यू* की मालिक एक महिला को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई सीडीएससीओ के पूर्वी क्षेत्र के औषध निरीक्षक द्वारा की गई, जिसकी पुष्टि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने की है। छापेमारी के दौरान बड़ी मात्रा में कैंसर, मधुमेह और अन्य बीमारियों की दवाइयां मिलीं, जिन पर विभिन्न देशों जैसे आयरलैंड, तुर्की, अमेरिका और बांग्लादेश में निर्मित होने का लेबल था। हालांकि, इन दवाओं के भारत में आयात का कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया, जिससे इन्हें नकली घोषित किया गया। जांच टीम को खाली पैकेजिंग सामग्री भी मिली, जिससे इन दवाओं की प्रामाणिकता पर और सवाल खड़े हो गए। जब्त की गई दवाओं की कुल बाजार कीमत लगभग 6.6 करोड़ रुपए आंकी गई है। इन दवाओं के नमूनों को गुणवत्ता परीक्षण के लिए भेजा गया है, जबकि शेष मात्रा को सीडीएससीओ की सुरक्षित अभिरक्षा में रखा गया है। मंगलवार को अदालत ने गिरफ्तार महिला को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है और आगे की पूछताछ की अनुमति दी है। मामले की गहन जांच जारी है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस कार्रवाई को नकली और घटिया दवाओं के प्रसार के प्रति अपनी जीरो टॉलरेंस नीति का हिस्सा बताया है।

No. BDB/Tender/46/2023-24/3670 *Date 30/12/2024*

SHORT NOTICE INVITING TENDER

Sealed tender affixing a non-refundable Court fee stamp of Rs. 8.25 (Rupees eight & twenty five paisa) only with a validity period of 180 days which will subsequently to be converted and drawn up in the printed of F-2 form are invited from the registered contractors of Class-I (A, B & C), Class-II & Class-III category of Assam PWD (Roads & Building) and BTC according to their eligibility for submitting tenders for the works under Sports & Youth Welfare Dept.(SOPD-G) BTR Kokrajhar during the financial year 2024-25 as stated below. The tenders will be received by the undersigned up to 2.00PM on 22/1/25 and will be opened on the next date (as on 24/1/25 & place at 2.30 PM.)

Sl. No.	Name of activity	Estd. Value (in Lakhs)	Tender Value	EMD/Bid Security (in Rs)	Cost of Tender paper (in Rs.)	Pre-bid date and Time	Last date & time of bid submission	Date & Time of bid opening	Time of completion of Work
1	"Const, of HPC at approach road of Barhungkha club field at No.2 Singribari Village under Khasiachuba VCDC in Udalguri Dist."	6,00,000/-	6,00,000/-	6,000/-for ST/SC/ OBC 12,000/- (for GEN	180	2/1/25	22/1/25	24/1/25	6 month
2	"Const, of dressing room with girls & boys toilet at Dimakuchi T.E playground under Hanchara VCDC in Udalguri Dist."	10,00,000/-	10,00,000/-	10,000/-for ST/SC/ OBC 20,000/- (for GEN	300	2/1/25	22/1/25	24/1/25	6 month

Detail N.I.T. may be seen in all working days during office hours in the office of the undersigned. Tender papers will be issued to the contractors or their authorized agents from 2/1/25 to 24/1/25 up to 1.30 PM. In the office of the undersigned on payment in the form of demand draft/bankers cheque from any Nationalized Bank, duly pledged in favour of the Principal Secretary, BTC Kokrajhar payable at Kokrajhar.

Sd/-
Block Dev. Officer,
Bhergaon Dev. Block, Bhergaon

IPR(BTC)/C/2024-25/1213

नगांव के कठियातली में ड्रग्स के खिलाफ अभियान

नगांव (हिंस)। नगांव के कठियातली के रंगलू गांव में कठियातली पुलिस ने ड्रग्स के खिलाफ अभियान चलाया। अभियान के दौरान एक व्यक्ति को ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान जुरिया निवासी फैजुल इस्लाम के रूप में की गई है। गिरफ्तार किए गए फैजुल के पास से संदिग्ध हेरोइन से भरे पांच कंटेनर, एक मोबाइल फोन और नगद 10,220 रुपए बरामद किए गए।

पूसीरे की ट्रेनों की नई समय सारणी आज से लागू

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) अपनी ट्रेनों की नई समय सारणी 1 जनवरी, 2025 से लागू करने के लिए तैयार है। इस अद्यतन समय सारणी में कई बदलाव किए गए हैं, जिसका उद्देश्य पूरे क्षेत्र की कनेक्टिविटी में सुधार, यात्री सुविधा को बढ़ाना और परिचालन दक्षता को सुव्यवस्थित करना है। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने मंगलवार को बताया है कि नई समय सारणी से 43 ट्रेनों की गति बढ़ेगी और प्रमुख मार्गों पर यात्रा अवधि में काफी कमी आएगी। उदाहरण के तौर पर, एसएमवीटी बेंगलुरू-न्यू तिनसुकिया एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 22501) अब 120 मिनट व जबकि कामाख्या-गोमती नगर एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 15077) 75 मिनट का समय बचाएगी। इसी तरह, डिब्रूगढ़- हावड़ा एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 15962) के यात्रा समय में 60 मिनट की कमी आएगी।

हेरोइन के साथ एक व्यक्ति को किया गिरफ्तार

कछार(हिंस)। विश्वसनीय सूचना के आधार पर जिरिघाट थाना क्षेत्र के साइमार अमुर पुंजी निवासी लालमन्सोम वैफ्फेई (पिता- रामनेई वैफ्फेई) को हाओकिप पुंजी के पास गिरफ्तार किया गया। वह जिरिघाट से ऑटो (एएस- 11सीसी-9149) में यात्रा कर रहा था। कछार पुलिस अधीक्षक ने बताया है कि पुलिस ने वाहन की तलाशी के दौरान 13 साबुनदानी में संदिग्ध हेरोइन बरामद की।

पृष्ठ एक का शेष

नए साल के...

तैयारी की गई। सिडनी हार्बर ब्रिज और ओपेरा हाउस पर फैमिली फायरवर्क्स का शानदार प्रदर्शन हुआ। सिडनी के हार्बर ब्रिज पर खास आतिशबाजी हुई, जिसे पूरी दुनिया ने देखा। जापान और दक्षिण कोरिया में भारतीय समयानुसार 8.30 बजे नए साल का आगाज हुआ। भारत में भी लोगों को नए साल का बेसब्री से इंतजार है। शहरों के प्रमुख स्थानों पर लोग जमा हो रहे हैं। इस कड़ी में भारत के जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में नए साल की पूर्व संध्या पर लाल चौक पर लोगों की भारी भीड़ जुटी हैं। लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा है। देश के अलग-अलग कोनों से पर्यटक यहां नए साल का जश्न मनाने पहुंचे हैं। इसके साथ ही मनाली, देहरादून जैसे पर्यटन स्थलों पर भारी भीड़ जमा हुई है। वहीं कर्नाटक में नए साल की पूर्व संध्या पर जश्न मनाने से पहले बेंगलुरु में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। नए साल की पूर्व संध्या पर देश की राजधआनी दिल्ली में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु नया मनाने के लिए धार्मिक स्थलों पर पहुंचे हैं।

ब्रह्मपुत्र पर चीन ...

बहुत ही उचित है। नदी विशेषज्ञ ने कहा कि हालांकि कोई भी देश बांध के सुरक्षित डिजाइन और निर्माण के लिए सर्वोत्तम संभव तकनीक का उपयोग करेगा, लेकिन ऐसे संवेदनशील भूभाग में बांध की विफलता के तत्व को किसी भी बहाने से नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। प्रोफेसर शर्मा ने कहा कि जिस क्षेत्र में बांध प्रस्तावित है, वहां नदी की तलहटी का ढाल बहुत अधिक है और उस क्षेत्र में पानी का अधिकतम निर्वहन लगभग 30,000 क्यूएमईसी तक पहुंच सकता है, जबकि औसत प्रवाह 10 से 15 हजार क्यूएमईसी तक हो सकता है। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र अत्यधिक भूकंपीय है और हाल के दिनों में इस क्षेत्र में कई बड़े भूकंप आए हैं। उन्होंने बताया कि अप्रैल 2000 में रिक्टर स्केल पर 6.6 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसके परिणामस्वरूप कृत्रिम झीलें बन गई थीं। कृत्रिम झीलें बाद में ढह गईं और अरुणाचल प्रदेश में व्यापक तबाही हुई, जिसमें कई लोगों की जान और संपत्ति का नुकसान हुआ। नवंबर 2017 में फिर से रिक्टर स्केल पर 6.8 तीव्रता का भूकंप आया। इसके परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर भूस्खलन हुआ। पिछले कुछ समय से ब्रह्मपुत्र नदी का जलस्तर कम हो गया है और पानी भी गंदा हो गया है। जाहिर है, कोई भी निश्चित नहीं है कि क्षेत्र में अगला बड़ा भूकंप कब आएगा और क्या बांध ऐसे भूकंप को झेल पाएगा। उन्होंने कहा कि चीन ने बांध के डिजाइन का विवरण भारत के साथ साझा नहीं किया है और हमें नहीं पता कि बांध में बाढ़ के लिए आवश्यक भंडारण क्षमता होगी या नहीं। प्रो. शर्मा ने आगे कहा कि यह संदिग्ध है कि चीन भारत के साथ जलाशय संचालन योजना साझा करेगा या नहीं। उन्होंने बताया कि बरसात के मौसम में चीन बांध से अतिरिक्त पानी छोड़ सकता है, जिससे भारत में विनाशकारी बाढ़ आ सकती है। जबकि, कम बारिश के मौसम में नदी का प्रवाह तीन से चार हजार क्यूएमईसी तक कम हो जाता है और यह ज्यादातर ग्लेशियर प्रवाह होता है। अगर चीन लीन सीजन के दौरान पानी जमा करने की योजना बनाता है, तो ब्रह्मपुत्र का आधार प्रवाह सूख सकता है, जिसका असम और यहां तक कि बांग्लादेश में भी गंभीर विनाशकारी प्रभाव पड़ेगा। इस समस्या से निपटने के लिए भारत ने अरुणाचल प्रदेश में यिंगकियोंग में 11,000 मेगावाट बिजली पैदा करने के लिए एक बहुउद्देशीय बांध का प्रस्ताव रखा है। यिंगकियोंग बांध की योजना बनाने के लिए मुख्य रूप से बाढ़ भंडारण क्षमता पर जोर दिया जाना चाहिए, जिसमें बांध के टूटने की स्थिति में चीन बांध से आने वाली विशाल लहरों को रोकने के लिए पुख्ता प्रावधान हो। इसके अलावा, अग्रिम कार्रवाई के रूप में, ब्रह्मपुत्र की प्रमुख सहायक नदियों में जल भंडारण जलाशय बनाए जाने चाहिए ताकि पीने, सिंचाई, प्रदूषण नियंत्रण आदि के लिए लीन सीजन की बहुविध जल उपयोग मांगों को पूरा किया जा सके। उन्होंने वकालत की कि असम और अरुणाचल प्रदेश में कई जल निकायों का भी कायाकल्प किया जाना चाहिए। प्रोफेसर शर्मा ने कहा कि हमें सबसे बुरे हालात के लिए तैयार रहना चाहिए और भारत सरकार को इस मुद्दे को अत्यंत गंभीरता से लेना चाहिए। अन्यथा, असम और अरुणाचल प्रदेश को भविष्य में चीनी बांध के कारण अनकही चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

सीएम ने लोगों ...

मुख्यमंत्री ने आशा व्यक्त की कि नया साल दोस्ती के बंधन को और मजबूत करेगा ताकि राज्य के लोग असम को सामाजिक-आर्थिक-सांस्कृतिक और शैक्षणिक विकास के क्षेत्र में एक नए विकास पथ पर ले जाने के लिए अपनी अविश्वसनीय भूमिका निभा सकें।

वर्ष 2024 का ...

छत्र घनत्व भी 1.699 वर्ग किमी क्षेत्र में कम हो गया है। वन क्षेत्र के नुकसान के अलावा, राज्य वनों के बाहर भी अपने वृक्ष क्षेत्र को खतरनाक दर से खो रहा है। बुनियादी ढांचे के विकास की परियोजनाओं, विशेष रूप से सड़क परियोजनाओं के कारण लाखों पेड़ काटे गए हैं, जिनमें से कई बड़े पेड़ व्यापक जैव विविधता को आश्रय देते हैं, जो वृक्ष क्षेत्र में कमी के लिए काफी हद तक जिम्मेदार हैं। इस सब के मूल में वन और पर्यावरण संरक्षण के लिए बनाए गए कानूनों को लागू करने में सरकार की विफलता है। एक और खतरनाक प्रवृत्ति सरकार की अत्यधिक दखल देने वाले विकास मॉडल को समर्थन देने की प्रवृत्ति से संबंधित है, जो वास्तविक पर्यावरणीय चिंताओं को नजरअंदाज करती है। राज्य सरकार के हाल के फैसले, जैसे कि शहर के जैव विविधता से भरपूर गरभंगा रिजर्व वन को वन्यजीव अभयारण्य में उन्नत करने के लिए प्रारंभिक अधिसूचना को वापस लेना, उच्च श्रेणी के होटल निर्माण के लिए काजीरंगा की परिधि में पारंपरिक हाथी क्षेत्र का आवंटन, होलॉन्गापार गिब्बन वन्यजीव अभयारण्य के पर्यावरण-संवेदनशील क्षेत्र में तेल अन्वेषण गतिविधियों की अनुमति देना और उसी अभयारण्य के माध्यम से एक ट्रेन ट्रैक के विद्युतीकरण को मंजूरी देना, जिसमें देश की सबसे अधिक प्राइमेट विविधता है आदि राज्य सरकार के कुछ ऐसे कार्य हैं यह ध्यान देने योग्य है कि असम में घने वन क्षेत्र, जो राज्य की जैव विविधता का बड़ा हिस्सा है, केवल 13 प्रतिशत है। देहिंग पटकाई वर्षावनों में खुले में कोयला खनन भी फिर से शुरू हो गया है, जो असम के वर्षावनों का एकमात्र व्यवहार्य क्षेत्र है, जिसमें बहुत अधिक जैव विविधता है। प्राकृतिक पर्यावरण का यह निरंतर निर्लज्ज अपमान जलवायु परिवर्तन के खतरे को देखते हुए और भी अधिक विनाशकारी साबित होगा, जिसका असर कई क्षेत्रों पर पड़ेगा। दूसरी ओर, वनों के रूप में इस विशाल कार्बन सिंक को संरक्षित और संवर्धित करना जलवायु परिवर्तन शमन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। जब तक अधिकारी राज्य के प्राकृतिक पर्यावरण, विशेषकर इसके वनों और आर्द्रभूमियों तथा उनमें मौजूद अद्भुत जैव विविधता के महत्व को नहीं समझेंगे, तथा प्रकृति से प्राप्त इस अमूल्य विरासत को विचारहीन और असंवेदनशील विकास प्रक्रिया की बलिवेदी पर चढ़ाने से नहीं रुकेंगे, तब तक होने वाले नुकसान भयावह और अपरिवर्तनीय होंगे। यहां राज्य की राजधानी गुवाहाटी के पर्यावरण का आकलन करना उचित होगा, जो पिछले तीन-चार सालों से *विकास* के प्रभाव से जूझ रहा है। चल रही अव्यवस्थित और खराब तरीके से की गई निर्माण गतिविधियों, जिसमें धूल प्रदूषण को रोकने के मानदंडों को बनाए रखने की कोई परवाह नहीं है, ने जो हासिल किया है, वह शहर के क्षितिज पर हमेशा धूल का आवरण ही है। इस चौंकाने वाले और लंबे समय तक चलने वाले वायु प्रदूषण के संपर्क में रहने से नागरिकों को कई तरह की सांस और आंखों की बीमारियों का खतरा हो गया है, साथ ही आवागमन भी जोखिम भरा हो गया है। यह कहना कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी कि सरकारी अधिकारियों के इस हमले के सामने नागरिकों के स्वस्थ जीवन जीने के अधिकार से गंभीर रूप से समझौता किया गया है। शहर का दीपोर बील, जो राज्य का एकमात्र रामसर स्थल है, भी आर्द्रभूमि में और उसके आसपास हो रही प्रदूषणकारी गतिविधियों के कारण सचमुच दम तोड़ रहा है।

बांग्लादेशी घुसपैठिया बनी...

उनपर आरोप है कि उन्होंने फर्जी तरीके से भारतीय नागरिकता के दस्तावेज तैयार किए। दस्तावेजों के मुताबिक, उनका वोटर कार्ड 2015 में और जन्म प्रमाण पत्र 2018 में जारी हुआ। लेकिन मामले की जांच में पता चला है कि दस्तावेजों में उनके पिता का नाम शेख मुस्तफा दर्ज है, जबकि असली नाम जमील विश्वास है। इतना ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्ट्रार (एनपीआर) में भी लवली का कोई रिकॉर्ड मौजूद नहीं है। इस मामले की शुरुआत पंचायत चुनाव में लवली के खिलाफ हारने वाली रेहाना सुल्ताना द्वारा कलकत्ता हाईकोर्ट में मामला दर्ज कराने से हुई। वकील अमलान भादुड़ी ने बताया कि अदालत में पेश किए गए सबूत बताते हैं कि नसिया (लवली) बांग्लादेशी नागरिक हैं और उनके द्वारा प्रस्तुत ओबीसी प्रमाण पत्र भी फर्जी है। अदालत ने चांचल के एसडीओ को मामले की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया, लेकिन छह महीने बीतने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। गांव के कई लोगों ने लवली खातून के खिलाफ बयान दिए हैं। रियाज आलम नाम के एक गवाह ने माना कि लवली (नसिया) गांव की निवासी नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि शेख मुस्तफा को नसिया का पिता बना दिया गया है, जबकि गांव के लोग जानते हैं कि मुस्तफा की बेटी लवली नहीं है। गवाहों ने पंचायत में दस्तावेजों के साथ हेराफेरी और फर्जी हस्ताक्षरों की भी बात कही। यह मामला तृणमूल कांग्रेस की साख पर भी सवाल खड़ा कर रहा है। टीएसी पर आरोप है कि नसिया को राजनीतिक संरक्षण मिला, जिसकी वजह से वह पंचायत प्रमुख बन पाईं। हालांकि, लवली ने इन आरोपों पर चुप्पी साध रखी है। जब उनसे प्रतिक्रिया के लिए संपर्क किया गया, तो उन्होंने फोन काट दिया और सवालों को टाल दिया। अब तक छह महीने बीत जाने के बावजूद मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। स्थानीय लोग और विपक्षी दल इस मुद्दे पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। फिलहाल यह मामला न सिर्फ अवैध घुसपैठियों से जुड़े मुद्दे पर सवाल खड़ा करता है। साथ ही भारत की पंचायत प्रणाली और टीएमसी को भी कठघरे में भी खड़ा करता है।

मणिपुर हिंसा को ...

और नेतृत्व परिवर्तन करने की मांग की है। अब साल की समाप्ति पर मणिपुर के सीएम एन बीरेन सिंह ने जनता से माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि यह पूरा साल खराब रहा। नए साल 2025 में शांति की उम्मीद है। मणिपुर में मैतेई समुदाय और कुकी समुदाय के बीच हिंसा पिछले साल तीन मई को उस समय शुरू हुई थी जब मणिपुर उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ आदिवासी छात्रों संघ (एटीएसयूएम) ने एक रैली आयोजित की थी, जिसमें मणिपुरी समुदाय को अनुसूचित जनजाति सूची में शामिल करने पर विचार करने का निर्देश दिया गया था। इसके बाद से राज्य में हिंसा का सिलसिला जारी है, और स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए केंद्र सरकार को अर्धसैनिक बलों को तैनात करना पड़ा।

नए साल से ठीक ...

यह घटना ऐसे समय में देखने को मिली है जब कुछ ही घंटे पहले मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने राज्य में हिंसा को लेकर सार्वजनिक रूप से माफी मांगी। पुलिस ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट करते हुए बताया कि यह घटना थम्नापोकपी के पास उयोकचिंग में उस समय हुई जब भीड़ इलाके में सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम की तैनाती को बाधि करने का प्रयास किया। इसके बाद सुरक्षा बल के जवानों ने हल्का बल प्रयोग करके भीड़ को तितर-बितर कर दिया और हालात नियंत्रण में हैं। सुरक्षा बलों को इलाके में शांति व्यवस्था बनाए रखने और नियंत्रण रखने के लिए किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पहाड़ी की चोटी पर तैनात किया गया था। घटना को लेकर स्थानीय लोगों ने दावा किया है कि ट्विचिंग के सैबोल गांव में सुरक्षा बलों के बल प्रयोग में कई लोग घायल हो गए। ट्विचिंग कुकी-नियंत्रित पहाड़ियों और मेइती प्रभुत्व वाली इंफाल घाटी के बीच तथाकथित बफर जोन में स्थित है। लोगों का कहना है कि स्थानीय महिलाएं सुरक्षाकर्मियों की ओर से सामुदायिक बंकरों पर जबरन कब्जे का विरोध करने के लिए इकट्ठा हुई थीं। वहीं, कुकी समुदाय के एक नेता ने आरोप लगाया कि स्थिति तब बिगड़ गई जब सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले का इस्तेमाल कर दिया। उसके बाद तो युद्ध के मैदान जैसा हाल हो गया। हम अपनी चिंताओं को व्यक्त करने आए थे कि युद्ध की रणनीति का सामना करने गए थे।

केजरीवाल ने चुनाव ...

लिए कहा था, लेकिन उनके पेंशन रुके हुए हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में लगभग 20 हजार मंदिर हैं और हर मंदिर में तीन से चार पुजारी हैं। ऐसे में सरकार को 80 हजार लोगों को पेंशन देनी पड़ेगी। सरकार के पास इमामों को वेतन देने के लिए पैसे नहीं हैं, वह बुजुर्गों और विधवाओं को पेंशन नहीं दे पा रही है, ऐसे में वह इमामों को वेतन कैसे दे पाएगी। उन्होंने कहा कि केजरीवाल झूठ बोल रहे हैं। करावल नगर के पुजारी जय प्रकाश भट्ट ने कहा कि केजरीवाल को इस बात के लिए धन्यवाद कहना चाहिए कि उन्होंने पहली बार पुजारियों की समस्याओं के बारे में बात की। लेकिन उन्हें यह तो बताना पड़ेगा कि चुनाव के अंतिम समय में ही उन्हें पुजारियों की बात क्यों याद आई। वे 10 साल से सत्ता में हैं। आज तक उन्हें यह याद क्यों नहीं आई, जबकि पुजारियों ने उनके आवास पर जाकर कई बार प्रदर्शन भी किया था। एक अन्य पुजारी ने कहा कि पुजारी जिस तरह की गंभीर समस्याओं में जीवन गुजारते हैं, उसे देखते हुए सरकार का यह कदम पूरी तरह सही है। लेकिन उसे यह बताना चाहिए कि चुनाव में हार सामने देख कर ही उसे हिंदू पुजारियों की याद क्यों आई।

लघु बचत योजनाओं ...

के तहत जमा पर 8.2 प्रतिशत की ब्याज दर मिलेगी, जबकि तीन साल की सावधि जमा पर ब्याज दर 7.1 प्रतिशत ही रहेगी। सबसे प्रचलित सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ) और डाकघर बचत जमा योजनाओं की ब्याज दरें भी क्रमशः 7.1 प्रतिशत और 4 प्रतिशत पर बरकरार रखी गई हैं। किसान विकास पत्र पर ब्याज दर 7.5 प्रतिशत होगी और निवेश 115 महीने में परिपक्व होगा। राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (एनएससी) पर ब्याज दर जनवरी-मार्च 2025 की अवधि के लिए 7.7 प्रतिशत रहेगी। चालू तिमाही की तरह, मासिक आय योजना निवेशकों को 7.4 प्रतिशत ब्याज देगी। पिछली चार तिमाहियों से ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। सरकार ने पिछली बार पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में कुछ योजनाओं में बदलाव किया था। सरकार प्रत्येक तिमाही में डाकघरों और बैंकों की ओर से संचालित लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरों की अधिसूचना जारी करती है।

छत्तीसगढ़ में छात्रा...

के अचारिपाली मोहल्ले में आज सुबह 7 बजे एक छात्रा ने घर के पास तलाब के किनारे बने भोले बाबा के मंदिर में अपनी जीभ को काट कर शिवलिंग में समर्पित कर दी। 16 वर्षीय छात्रा का नाम आरुषि चौहान है और वह 11 वीं में पढ़ती है। छात्रा ने कागज पर एक संदेश लिखा है, जिसमें उसने कहा है कि वह दो दिन बाद खुद बाहर आ जाएगी। साथ ही उसने किसी को भी मंदिर में शोरगुल और अंदर नहीं आने की चेतावनी दी है। उसने लिखा है कि अगर कोई अंदर आया तो वह खुद को मार डालेगी। परिजनों और गांववालों ने घटना के बाद मंदिर को घेर लिया है और किसी भी अधिकारी को अंदर जाने की अनुमति नहीं दे रहे हैं। छात्रा के माता-पिता को पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों के द्वारा समझाया गया और उसे अस्पताल ले जाने की बात की। लेकिन छात्रा के माता-पिता ने साफ इनकार कर दिया है। पुलिस और प्रशासन के अधिकारी, 108 एम्बुलेंस के साथ डॉक्टरों की टीम मौके पर मौजूद हैं।

करीमगंज का नाम ...

धमकी दी कि यदि निर्णय वापस नहीं लिया गया तो बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। असम सरकार ने 21 नवंबर, 2024 को आधिकारिक तौर पर करीमगंज जिले का नाम बदलकर श्रीभूमि करने की घोषणा की थी, जिसमें मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने इस कदम को जिले की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रतिबिंबित करने की लंबे समय से चली आ रही मांग की पूर्ति के रूप में उचित ठहराया था।

बागी छात्र कर ...

को लेकर अनिश्चितता का माहौल बना सकती है। बांग्लादेश में आज छात्र समूह स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन (एसएडी) नए गणराज्य की घोषणा कर सकते हैं। 31 दिसंबर को, यह समूह बांग्लादेश के 1972 के संविधान को समाप्त करने की बात कर रहा है, जिसे शेख मुजीबुर रहमान के शासनकाल में तैयार किया गया था। इसके साथ ही, राष्ट्रपति और सेना प्रमुख के पद को भी खत्म करने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि बांग्लादेश को इस्लामिक गणराज्य घोषित किया जाएगा या फिर इसे एक सेकुलर गणराज्य के रूप में बदला जाएगा, लेकिन यह घोषणा बांग्लादेश के राजनीतिक भविष्य के लिए अहम हो सकती है। इस नई घोषणा के साथ बांग्लादेश में सत्ता की दिशा में महत्वपूर्ण बदलाव हो सकता है, जिसका असर देश की आंतरिक और बाहरी राजनीति पर पड़ेगा। भारत के लिए यह स्थिति चिंता का कारण बन सकती है, क्योंकि बांग्लादेश में ऐसे बदलावों से यह स्पष्ट नहीं होगा कि इस नए गणराज्य के साथ भविष्य में किसके साथ संवाद किया जाएगा। बांग्लादेश की वर्तमान अंतरिम सरकार का नेतृत्व नोबेल पुरस्कार प्राप्त अर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस कर रहे हैं, जिनके कट्टरपंथी विचारों के समर्थन से भारत और अन्य देशों में चिंताएं उत्पन्न हुई हैं। एसएडी के नेता हसनत अब्दुल्ला ने 1972 के संविधान को *मुजीबवादी कानून* करार देते हुए इसे समाप्त करने की बात की है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को बांग्लादेश में दखल देने का मौका इसी संविधान की वजह से मिला था। 31 दिसंबर को ढाका के सेंट्रल शहीद मीनार में इस महत्वपूर्ण घोषणा के साथ बांग्लादेश के भविष्य की दिशा के बारे में ऐलान किया जाएगा। वर्तमान में बांग्लादेश में चुनी हुई सरकार की जगह एक अंतरिम सरकार का गठन किया गया है, जिसका नेतृत्व नोबेल पुरस्कार प्राप्त अर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस कर रहे हैं। यूनुस ने अपने कार्यकाल में कट्टरपंथियों का समर्थन किया है, जिसके कारण भारत और अन्य देशों में चिंता पैदा हुई है। अमेरिका ने भी बांग्लादेश के राजनीतिक हालात को लेकर अपनी चिंता जाहिर की है। बांग्लादेश के छात्र नेता हसनत अब्दुल्ला ने बांग्लादेश के संविधान को लेकर कहा कि यह *मुजीबवादी कानून* है, जिसे वह खत्म करेंगे और दफन करेंगे। इसके अलावा, उन्होंने भारत के खिलाफ भी नकारात्मक बयान दिए, यह कहते हुए कि 1972 के संविधान के कारण ही भारत को बांग्लादेश में दखल देने का मौका मिला। हसनत ने कहा कि 31 दिसंबर को ढाका के सेंट्रल शहीद मीनार में बांग्लादेश के भविष्य की दिशा के बारे में ऐलान किया जाएगा।

नए साल से ...

और इसकी उत्पत्ति का पता लगाने वाले अध्ययनों को वैश्विक परिप्रेक्ष्य से देखा जाना चाहिए। चीन वैज्ञानिक ट्रैसेबिलिटी अनुसंधान को बढ़ावा देना जारी रखने के लिए सभी पक्षों के साथ काम करने को तैयार है। ट्रैसेबिलिटी का काम वैश्विक परिप्रेक्ष्य पर आधारित होना चाहिए। रॉयटर्स ने चीनी अधिकारियों के हवाले से कहा कि वैज्ञानिक समुदाय में अधिक से अधिक सुराग वैश्विक स्तर पर वायरस के स्रोत की ओर इशारा करते हैं। डब्ल्यूएचओ ने सोमवार को चीन से कोविड महामारी की उत्पत्ति पर डेटा साझा करने का आग्रह किया और कहा कि यह एक नैतिक और वैज्ञानिक अनिवार्यता है। संयुक्त राष्ट्र स्वास्थ्य निगरानी संस्था के एक बयान में कहा गया है। देशों के बीच पारदर्शिता, साझाकरण और सहयोग के बिना, दुनिया भविष्य की महामारियों और महामारियों को पर्याप्त रूप से रोक नहीं सकती और उनके लिए तैयारी नहीं कर सकती। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयसस ने दिसंबर में इस मुद्दे पर बात की थी, जिसमें उन्होंने कहा था कि दुनिया कोविड-19 की तुलना में अगली महामारी के लिए तैयार भी है और नहीं भी। उन्होंने कहा था अगर अगली महामारी आज आती है, तो दुनिया को अभी भी वैसे कमजोरियों का सामना करना पड़ेगा, जिसने 5 साल पहले कोविड-19 को फैलने का मौका दिया था।

राष्ट्रपति ने देशवासियों ...

होता है। यह नया साल हमें अपने संकल्पों को पूरा करने के लिए नए ऊर्जा के साथ आगे बढ़ने का अवसर है। राष्ट्रपति ने कहा कि आइए हम सभी हर्ष और उत्साह के साथ नए साल का स्वागत करें तथा अपने समाज और राष्ट्र को एकता तथा उत्कृष्टता के मार्ग पर और आगे बढ़ाएं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**

चापर के टिलापाड़ा बाजार में लगी आग में कई दुकान जलकर राख

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी जिलांतर्गत चापर के टिलापाड़ा बाजार में आज सुबह अचानक भयावह आग लग गई, जिसके चलते इलाके में अफरा-तफरी का माहौल उत्पन्न हो गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची अग्निशन की टीम ने स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया। स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि आग की शुरुआत एक दवा की दुकान से हुई। इस भयावह हादसे में कई व्यापारिक प्रतिष्ठान जलकर राख हो गए। हादसे में करोड़ों रुपए की संपत्ति के नुकसान का अनुमान जताया गया है। आग बुझाने में चापर और बिलासीपाड़ा से आई तीन अग्निशमन विभाग की गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग बुझाया। आग लगने के कारणों पता नहीं चल पाया है। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

बोड़ोलैंड मिशन बिस्वमूथी : एक वर्ष में 101996 भूमि समस्याओं का समाधान

कोकराझाड़ (हिंस)। देश के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में स्थित बोड़ोलैंड एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध क्षेत्र है। यहां के लोग, जो मुख्यत: बोड़ो समुदाय से संबंधित हैं, लंबे समय से अपनी भूमि और पहचान के लिए संघर्ष करते रहे हैं। इन संघर्षों और आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, बोड़ोलैंड टेरिटोरियल रीजन (बीटीआर) प्रशासन ने बिस्वमूथी भूमि योजना की शुरुआत की। बीटीआर परिषदीय सरकार ने सोशल मीडिया के जरिए बताया है कि गत एक वर्ष में 120797 भूमि समस्याओं का आवेदन अनलाइन के माध्यम से किया गया था जिसमें से बोड़ोलैंड मिशन: बिस्वमूथी भूमि योजना के माध्यम से 101996 समस्याओं का समाधान किया जा चुका है और शेष समस्याओं की जांच चल रही है। ज्ञात हो कि यह योजना न केवल भूमि विवादों को सुलझाने के उद्देश्य से शुरू की गई है, बल्कि यह ग्रामीण विकास, सामाजिक न्याय और क्षेत्रीय स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए भी एक महत्वपूर्ण कदम है। बोड़ोलैंड क्षेत्र में भूमि विवाद एक लंबे समय से गंभीर समस्या रही है। क्षेत्र में उचित भूमि रिकॉर्ड की कमी और अवैध कब्जों ने कई विवादों को जन्म दिया। विभिन्न समुदायों की ज़मीनें असुरक्षित थीं। कई परिवार अपने अधिकारों से वंचित रह गए थे। इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए बोड़ोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल (बीटीसी) ने मिशन बिस्वमूथी नामक एक व्यापक योजना की शुरुआत की। इस योजना का उद्देश्य भूमि रिकॉर्ड को डिजिटलाइज़ कर पारदर्शिता और प्रभावशीलता बनाना है। भूमि विवादों का समाधान कर स्थानीय स्तर पर विवादों को समाप्त करना और न्याय सुनिश्चित करने के साथ-साथ सुरक्षित भूमि अधिकारों के माध्यम से कृषि और अन्य आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करना है। भूमि का विवेकपूर्ण उपयोग सुनिश्चित कर पर्यावरणीय स्थिरता बनाए रखना है। योजना के अंतर्गत कार्यान्वित गतिविधियां सर्वेक्षण और पंजीकरण शामिल है। बिस्वमूथी योजना के तहत व्यापक भूमि सर्वेक्षण किया गया। यह सर्वेक्षण आधुनिक तकनीकों जैसे ड्रोन और जीआईएस (जीआईएस) मैपिंग के माध्यम से किया गया, जिससे भूमि की सही स्थिति को मापा और दर्ज किया जा सके। ग्रामीण स्तर पर जनजागरण कर स्थानीय समुदायों को भूमि अधिकारों के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। इसके लिए ग्राम सभाओं, कार्यशालाओं और प्रचार अभियानों का आयोजन किया गया। आधुनिक तकनीक का उपयोग कर

योजना के तहत एक ऑनलाइन पोर्टल लॉन्च किया गया, जहां लोग अपने भूमि रिकॉर्ड की जानकारी देख सकते हैं। इससे न केवल पारदर्शिता बढ़ी, बल्कि प्रशासनिक कार्यों की गति भी तेज हुई। भूमि अधिकारों का वितरण कर योजना के तहत, गरीब और भूमिहीन किसानों को भूमि के अधिकार पत्र (पट्टा) दिए गए। यह कदम सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने और आर्थिक आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित हुआ। योजना के द्वारा ग्रामीण समुदायों में स्थिरता, भूमि अधिकारों की सुरक्षा से ग्रामीण समुदायों में शांति और स्थिरता आई है। आर्थिक प्रगति के दृष्टिकोण से भूमि स्वामित्व से किसानों को बैंकों से ऋण लेने और अपनी आय बढ़ाने में मदद मिल रही है। महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में महिलाओं को भूमि पर समान अधिकार देकर उन्हें सशक्त बनाया जा रहा है। पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भूमि के उपयुक्त उपयोग से पर्यावरणीय क्षरण को रोका गया। बिस्वमूथी योजना के तहत सैकड़ों परिवारों को उनका भूमि अधिकार मिला है। इसी तरह, कई आदिवासी महिलाओं को उनके नाम पर भूमि के पट्टे मिले, जिससे उनके जीवन में आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता का भाव आया। हालांकि, योजना को व्यापक स्तर पर सराहा गया, लेकिन इसे लागू करने के दौरान कई चुनौतियां सामने आईं। जैसे- डिजिटल भूमि रिकॉर्ड के लिए तकनीकी ज्ञान की कमी। प्रशासन ने तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। कुछ समूहों द्वारा भूमि वितरण प्रक्रिया पर असहमति जताई गई। इस योजना को लागू करने में संवाद और सामुदायिक बैठकों के माध्यम से समस्याओं को सुलझाया गया। आनेवाले दिनों में मिशन बिस्वमूथी को और प्रभावी बनाने के लिए प्रशासन ने कई नए लक्ष्य तय किए हैं, जैसे- हर गांव में भूमि अधिकार केंद्र स्थापित करना। महिलाओं और वंचित वर्गों के लिए विशेष योजनाएं शुरू करना। भूमि उपयोग की निगरानी के लिए अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग करना। मिशन बिस्वमूथी न केवल बोड़ोलैंड के भूमि विवादों को सुलझाने में मददगार साबित हुआ है, बल्कि यह क्षेत्रीय विकास और सामाजिक एकता के लिए भी एक प्रेरणादायक उदाहरण है। इस योजना ने यह सिद्ध कर दिया है कि जब सही नीतियां और प्रौद्योगिकी का उपयोग सामुदायिक हित के लिए किया जाए, तो बड़े से बड़े सामाजिक मुद्दों को हल किया जा सकता है। बोड़ोलैंड की यह विकास यात्रा आने वाले समय में अन्य क्षेत्रों के लिए भी एक आदर्श साबित हो सकती है। मिशन बिस्वमूथी इस बात का प्रमाण है कि सही दिशा और समर्पण से क्षेत्रीय विकास और सामाजिक न्याय को प्राप्त किया जा सकता है।

देरगांव में दो सड़क हदसों में एक व्यक्ति की मौत, दो घायल

गोलाघाट (हिंस)। देरगांव में बीती रात दो अलग-अलग हिस्सों में हुई सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की जहां मौत हो गई, वहीं दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। देरगांव पुलिस ने आज बताया है कि एक दुर्घटना देरगांव चाराली और डिचोई चाराली को जोड़ने वाली सड़क पर हुई। एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने एक व्यक्ति को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृत व्यक्ति की पहचान देरगांव 3 नंबर वार्ड निवासी आलोक राजपूत के रूप में हुई है। घटना के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। घटना कि जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। वहीं, उसी सड़क पर एक अलग दुर्घटना में एक चलती स्कूटी ने नियंत्रण खो दिया और सड़क किनारे लगी लाइट के खंभे से टकरा गई। इस हादसे में दो लोग घायल हो गए। घायलों की पहचान संजय चौधरी और पिंकू हजारिका के रूप में हुई है।

मैं व्हिस्की नहीं पीता, बियर ही पीता हूं युवक ने पुलिस से कहा

गुवाहाटी (हिंस)। नव वर्ष की पूर्व संध्या पर गुवाहाटी के जीएस रोड पर पुलिस और लोगों के बीच बीती रात से लेकर वर्ष के अंतिम दिन काफी हलचल मची हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीती रात शिवसागर के एक युवक को 360 रुपए की बीयर पीने के बाद पुलिस ने रोका और 10 हजार रुपए का जुर्माना लगाया। घटना के दौरान कुछ युवाओं ने शराब पीकर वाहन चलाने का प्रयास किया, जिसके चलते पुलिस और मीडिया कर्मियों ने उनका पीछा किया। पीछाकर पकड़े गए एक युवक ने पुलिस से कहा कि मैं व्हिस्की नहीं पीता, सिर्फ बीयर पीता हूं, जो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया। कामरूप (मेट्रो) जिला परिवहन अधिकारी ने सख्त निर्देश दिए हैं कि कोई भी व्यक्ति शराब पीकर वाहन चलाता हुआ पाया गया तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। नव वर्ष के जश्न को सुरक्षित बनाने के लिए पुलिस और परिवहन विभाग सतर्क है।

धर्मेंद्र नाथ हत्याकांड के चार आरोपी पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार

कामरूप (हिंस)। रंगिया के धर्मेंद्र नाथ हत्याकांड में शामिल चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। कामरूप जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कल्याण कुमार पाठक के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल से इन चारों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मणि काकती, अनुशमय कलिता, विक्की लहकर और नीतू कलिता के रूप में हुई है। उल्लेखनीय है कि धर्मेंद्र नाथ 25 दिसंबर से लापता था। उनके लापता होने की शिकायत पुलिस थाने में दर्ज कराई गई थी। इस घटना को लेकर स्थानीय लोगों ने रंगिया थाने का घेराव भी किया था। इसी बीच, 29 दिसंबर को पुलिस ने धर्मेंद्र की गुमशुदगी के सिलसिले में ढेकियाजुली से दो युवकों को हिरासत में लिया था। इसके बाद सोमवार को धर्मेंद्र नाथ का शव एक तालाब से बंधी हुई स्थिति में बरामद किया गया, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। जांच के दौरान उसकी हत्या में शामिल होने के आरोप में इन चारों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस आगे की जांच जारी रखे हुए है।

चाय श्रमिकों के कल्याण को लेकर असम सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को चाय श्रमिकों के सशक्तिकरण को लेकर अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म *एक्स* पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि 2024 में चाय बागान श्रमिकों के कल्याण के लिए किए गए प्रयासों को और मजबूत किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यापक सामाजिक सुरक्षा के तहत एटीसीएल (असम टी कंपनी लिमिटेड) के कर्मचारियों और श्रमिकों को वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 20 फीसदी बोनस दिया गया। यह कदम चाय श्रमिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने और उनके आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। सरकार ने इस साल चाय बागानों में श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा उपायों को भी जारी रखा, जिससे उनके जीवन में स्थिरता और खुशहाली लाई जा सके।

असम पुलिस के उप निरीक्षक पद की संयुक्त लिखित परीक्षा की तैयारी को लेकर बैठक

गुवाहाटी (हिंस)। आगामी 5 जनवरी को होने वाली असम पुलिस के उप निरीक्षक पद की संयुक्त लिखित परीक्षा की तैयारी को लेकर आज कामरूप (मेट्रो) जिले के अतिरिक्त जिला आयुक्त करण पेगू की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस उप आयुक्त इमदाद अली, कामरूप (मेट्रो) जिले की स्कूल निरीक्षक दीपिका चौधरी, संबंधित परीक्षा केंद्रों के प्रभारी अधिकारी और पर्यवेक्षकों की उपस्थिति में परीक्षा के नियम और दिशानिर्देशों पर चर्चा की गई। विशेष रूप से महिला उम्मीदवारों की तलाशी प्रक्रिया के लिए महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती पर जोर दिया गया। तलाशी के दौरान महिला पुलिस और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी। यह उल्लेखनीय है कि 5 जनवरी को कामरूप महानगर जिले के 31 केंद्रों पर असम पुलिस की लिखित परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा के सुचारू आयोजन के लिए कामरूप (मेट्रो) जिला प्रशासन ने सभी से सहयोग की अपील की है।

उदालगुड़ी के दहलपाड़ा गांव में दुग्ध क्रांति

उदालगुड़ी (हिंस)। उदालगुड़ी जिलांतर्गत दहलपाड़ा गांव में दुग्ध क्रांति हाल के दिनों में चर्चा का विषय बन गई है। दूध उत्पादन कर गांव के लोग अब आर्थिक, शिक्षा सहित सभी पहलुओं में मजबूत होकर संपन्न हो रहे हैं। उल्लेखनीय है कि आदिवासी गांव में डेयरी क्रांति की शुरुआत वर्ष 2012 में हुई थी। उदालगुड़ी के दहलपाड़ा गांव की आर्थिक स्थिति एक समय बेहद दयनीय थी। गांव में रहने वाले लगभग 90-95 परिवार दिहाड़ी मजदूरी और चुलाई शराब (घर में निर्मित देसी शराब) बेचकर जीवन यापन करते थे। गांव के कुछ युवाओं ने गांव में शैक्षिक माहौल और वित्तीय तंगी को देखते हुए गांव में चुलाई शराब की भट्टियों को बंद करके दुग्ध क्रांति की शुरुआत की। गांव के हर घर में गायों को पालना अनिवार्य कर दिया गया। इसी बीच युवकों द्वारा गांव में उत्पादित दूध को एकत्रकर उदालगुड़ी कस्बे में बेचकर पैसा जमा करना शुरू किया गया। जब दूध का उत्पादन अच्छा होने लगा तो वर्ष 2014 में, दहलपाड़ा डेयरी फॉर्म खोला गया और उन्नत नस्ल की गायों को ग्रामीणों को मुहैया कराया गया। वर्तमान समय में गांव में रोजाना 1,000 लीटर दूध का उत्पादन होता है। अब गांव के लोग आर्थिक, शिक्षा और अच्छी तरह से सभी पहलुओं में मजबूत होकर मुस्कुराने लगे हैं। दहलपाड़ा गांव के युवा वर्तमान समय में आसपास के गांवों के लिए एक आदर्श के रूप में अपने आप को स्थापित करने में सफल हुए हैं। उल्लेखनीय है कि कुछ समय पूर्व बीटीसी के मुख्य कार्यकारी पार्षद प्रमोद बोड़ो दहलपाड़ा गांव का दौरा कर ग्रामीणों का हौसला बढ़ाया था। उन्होंने कहा था कि दहलपाड़ा गांव दूध उत्पादन को बढ़ाकर असम की *श्वेत क्रांति* को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा था कि *असम के दुग्ध गांव* का दौरा करके और डेयरी किसानों, दूध उत्पादकों से बातचीत करके प्रसन्नता हुई। उन्होंने राज्य के डेयरी क्षेत्र में एक बड़ा हितधारक बनने के लिए बीटीसी सरकार की ओर से हर संभव सहायता और सहयोग का आश्वासन दिया था।

गोलकगंज में महिला ने रेलवे ट्रैक पर की आत्महत्या

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी जिलांतर्गत गोलकगंज में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। रेलवे ट्रैक पर गर्दन कटने से एक महिला की मौत हो गई। आशंका जताई जा रही है कि महिला ट्रेन के सामने लेटकर आत्महत्या कर ली। यह घटना बीती रात की बतायी गई है। गोलकगंज पुलिस ने आज बताया है कि मृत महिला की पहचान गोलकगंज नगर पालिका के वार्ड नंबर एक निवासी शंकर देबनाथ की पत्नी राखी देबनाथ के रूप में हुई है। बताया गया है कि बीती रात पति-पत्नी के बीच काफी झगड़ा हुआ था। स्थानीय लोगों के अनुसार शंकर देबनाथ कथित तौर पर अपनी पत्नी राखी देबनाथ को लगभग हर दिन शराब पीने के बाद पीटा करता था। बेहद विनम्र स्वभाव की महिला ने झगड़े से तंग आकर संभवत: आत्महत्या का रास्ता अख्तियार कर लिया। इस घटना को लेकर इलाके में सनसनी व्याप्त है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

वर्ष के अंतिम दिन गुवाहाटी के बाजारों में मछली और मांस की बढ़ी मांग

जानें कीमतें :

गुवाहाटी (हिंस)। साल के अंतिम दिन को विदा करने और नए साल का स्वागत करने के लिए गुवाहाटी के बाजारों में मछली और मांस की भारी मांग देखी जा रही है। उजान बाजार, बामुनीमैदाम और कलंग बाजार में मछली और मांस के दाम ऊंचे होने के बावजूद ग्राहकों की भीड़ बनी हुई है। उजान बाजार में कीमतें: बत्तख (जोड़ा): 1300 रुपए लोकल मुर्गा : 500 रुपए प्रति किलो आरी मछली: 1200 रुपए प्रति किलो, बराली मछली: 600 रुपए प्रति किलो, रोहू मछली: 500 रुपए प्रति किलो, चितल मछली: 750 रुपए प्रति किलो, बामुनीमैदाम बाजार में कीमतें: बड़ी चितल मछली: 1000 रुपए प्रति किलो, छोटे चितल मछली: 750 रुपए प्रति किलो, भकुवा मछली: 400 रुपए प्रति किलो, आरी मछली: 800 रुपए प्रति किलो, बत्तख (जोड़ा): 1400 रुपए, लोकल मुर्गा : 500-550 रुपए प्रति किलो, बत्तख (जोड़ा): 400 रुपए, कलंग बाजार में कीमतें: बत्तख का मांस: 700 रुपए प्रति किलो, लोकल मुर्गा : 500-550 रुपए प्रति किलो, आरी मछली: 1200 रुपए प्रति किलो, रोहू मछली: 400 रुपए प्रति किलो, बड़े चितल मछली: रुपए 1200 प्रति किलो, छोटे चितल मछली: रुपए 750 प्रति किलो, 31 दिसंबर की रात को खास तौर पर मछली और मांस के साथ जश्न मनाने की तैयारियां पूरे जोश में हैं। ऊंची कीमतों के बावजूद, बाजारों में उत्साह और उमंग का माहौल देखा जा रहा है।

मारवाड़ी हॉस्पिटल्स में मॉक ड्रिल का आयोजन

गुवाहाटी (विभास)। राज्य सरकार के अग्निशमन और आपातकालीन सेवाओं और नागरिक सुरक्षा विभाग के सहयोग से मारवाड़ी हॉस्पिटल्स में आग और सुरक्षा जागरूकता पर एक मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया, जिसमें हॉस्पिटल के पूरे स्टाफ ने सक्रिय रूप से भाग लिया। मॉक ड्रिल कार्यक्रम में अग्रिशमन और आपातकालीन सेवा और नागरिक सुरक्षा विभाग के सहायक उपनियंत्रक दीपक मेधी और आलोक शर्मा की उपस्थिति में एक टीम ने भाग लिया। इस अवसर पर दिखपुर फायर स्टेशन से वरिष्ठ स्टेशन अधिकारी अनुप कलिता, पानबाजार फायर स्टेशन से माधुर्य बोरा (उप-अधिकारी), हिरण्य पाठक और मुकेश ठाकुर (दोनों फायरमेन) भी उपस्थित थे। मॉक डिल में मारवाड़ी हॉस्पिटल्स के अग्रि सुरक्षा अधिकारी जयंत सइकिया, अस्पताल अधीक्षक रोहित उपाध्याय और अस्पताल के कई अन्य कर्मचारी भी मौजूद थे। इस अवसर पर सहायक उप नियंत्रक दीपक मेधी ने कहा कि हमें भूकंप और आतंकवादी हमलों पर भी मॉक ड्रिल करनी चाहिए, ताकि ऐसी स्थिति से बचने के लिए हम खुद को तैयार कर सकें। उन्होंने कहा कि सभी को पता होना चाहिए कि आग कैसे बुझानी है और आग बुझाने वाले यंत्र का उपयोग कैसे करना है। मारवाड़ी हॉस्पिटल्स के अग्नि सुरक्षा अधिकारी जयंत सैकिया ने कहा कि यह एक अच्छा मॉक ड्रिल था। अस्पताल के अधीक्षक रोहित उपाध्याय ने कहा कि यह मॉक ड्रिल न केवल हमारे पेशेवर काम में मदद करेगी, बल्कि व्यक्तिगत रूप से भी यह हमें कई तरह से मदद करेगी। हम आग और भूकंप आदि से संबंधित किसी भी आपदा का सामना करने के लिए खुद को तैयार कर सकते हैं। मॉक ड्रिल के अंत में टीम ने मारवाड़ी हॉस्पिटल्स के कर्मचारियों के प्रदर्शन की सराहना की।

बंगाईगांव : वर्षों से विकास की बाट जोहता आचार्य तुलसी मार्ग

बिजनी। बंगाईगांव शहर के बीचों बीच स्थित शहर की प्रमुख सड़कों में से एक आचार्य तुलसी मार्ग आज विकास के लिए लालायित है। एक वक्त ऐसा था जब बड़े ही आवभगत के साथ इस मार्ग को श्वेतांबर तेरापंथ जैन समाज के नौंवे आचार्य तुलसी के नाम पर नामांकरण किया गया। उक्त मार्ग के निर्माण व नामांकरण को दशकों बीत चुके हैं। हालात ऐसे है जैसे सड़क का अस्थि पंजर निकल गया है। मार्ग के दोनों तरफ दुर्गंध फैलाती कच्ची नालियां वर्षों से अपने पक्के निर्माण होने की आश लगाए बैठी है। मगर आजतक इस मार्ग की सुध लेने वाला कोई नहीं मिला। इस मार्ग की ऐसी दशा को देखकर जैनाचार्य आचार्य तुलसी जैसे महात्मा के मान, सम्मान और गरिमा को ठेस पहुंचती है। इनके अनुयायियों को भी इस पर गहन मंथन करना चाहिए। ऐसे मार्गों के साथ क्यों ऐसे महान संतो का नाम जोड़ा गया यह समझ के परे हैं। क्यों की इसी मार्ग पर स्थापित है तेरापंथ भवन। आए दिन इस भवन में पंथ के आचार्य और साध्वियों का आवागमन लगा रहता है। साथ ही विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों सहित शादी विवाह और सामाजिक कार्यक्रम भी आयोजित होते आ रहे हैं। इसी भवन में आठ बार के स्थानीय विधायक रह चुके तथा वर्तमान सांसद बने फणीभूषन चौधुरी का समाज द्वारा कई बार अभिनंदन किया जा चुका है। इसके अलावा हाल ही में इसी भवन परिसर में मारवाड़ी सम्मेलन के स्थापना दिवस पर नवनिर्वाचित विधायिका दीप्तिमयी चौधुरी का भी अभिनंदन किया गया। बावजूद के इस मार्ग और नालियों की खस्ता हालत पर न तो समाज की किसी संस्था ने कभी कोई चर्चा की और ना ही इसके विकास की कभी मांग उठाई गई। कहा जाता है कि बीन मांगें तो मां भी अपने बच्चों को दुध नहीं पिलाती हैं। आखिर सांसद और विधायक करें तो क्यों करें। इसके अलावा न तो म्युनिसिपल बोर्ड की इस पर कभी नजर और फिक्र रहीं, न ही विधायक और सांसद को और न ही समाज की उन अग्रणी संस्थाओं के ऐसे नेताओं को जो अपने को एक सामाजिक कार्यकर्ता नहीं बल्कि अपने आपको समाज के सर्वोपरि नेता मानते हैं। इन नेताओं के आवभाव से भी ऐसा प्रतीत होता है जैसे समाज के नाफा नुकसान से ज्यादा उनके व्यक्तिगत रिश्ते कितने प्रगाढ़ हो सकें तथा उसको कैसे आगे बढ़ाया जाए उस पर ध्यान ज्यादा केंद्रित रहता है। उस पर कोई आंच आए यह उनको कभी मंजूर नहीं होती है। नेताओं के व्यक्तिगत स्वार्थ के चलते समाज के ऐसे कार्य इसलिए आगे नहीं बढ़ते है। इसके परिणाम स्वरूप जीवन की मौलिक सुविधाओं व मूलभूत सुविधाओं के लिए समाज के लोग आज भी तरस रहे हैं।

संपादकीय

इसरो की बड़ी सफलता

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने एक बार फिर अंतरिक्ष विज्ञान में भारत के नाम की पताका को लहरा लिया है। पिछले 10-12 वर्षों में इसरो ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं, जिन्होंने वैश्विक मंच पर भारत का मान बढ़ाया और भारत के प्रति दुनियाभर के देशों का दृष्टिकोण बदल दिया है। इसरो ने ग्रेगोरियन कैलेंडर बदलने से ठीक पहले अंतरिक्ष में दो स्पेसक्राफ्ट को जोड़ने की तकनीक में महारत हासिल करने की दिशा में बड़ा कदम बढ़ा दिया। इस तकनीक को स्पेस-डॉकिंग कहते हैं। डॉकिंग को सरल भाषा में समझा जाए, तो यह दो सैटेलाईट को अंतरिक्ष में जोड़ने की प्रक्रिया है। यह कुछ हद तक जमीन पर कोई पुल बनाने जैसा है। जिस तरह पुल के अलग-अलग हिस्से आपस में जोड़े जाते हैं, उसी तरह डॉकिंग में भी दो या उससे अधिक सैटेलाईट आपस में जोड़े जाते हैं। यह पूरी सरंचना किसी विशेष काम के लिए उपयोग होती है। डॉकिंग का उपयोग वर्तमान में दो सैटेलाईट के बीच किन्हीं वस्तुओं के आदान प्रदान समेत अन्य कार्यों के लिए होता है। अंतरिक्ष में स्थापित अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन भी इसी सिद्धांत पर काम करता है। इसका निर्माण भी डॉकिंग के जरिए हुआ था। इसमें सामान की आपूर्ति भी डॉकिंग के जरिए ही होती है। प्रत्येक भारतीय नागरिक के लिए हर्ष की बात है कि अंतरिक्ष विज्ञान में इतनी बड़ी सफलता प्राप्त करनेवाला भारत दुनिया का चौथा देश है। भारत से पहले अब तक विश्व के तीन देश ही यह डॉकिंग की तकनीक विकसित कर सके हैं। यह देश अमेरिका, रूस और चीन हैं। 7 जनवरी, 2025 को भारत भी इस समूह में शामिल हो जाएगा। इस तकनीकी का लाभ इसरो को आगे के अभियानों में मिलेगा। उल्लेखनीय है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अंतरिक्ष में अपना भी स्पेस स्टेशन बनाने की घोषणा पहले ही कर चुके हैं। इसरो के वैज्ञानिकों को प्रधानमंत्री मोदी खूब प्रोत्साहित करते हैं। विज्ञान के क्षेत्र में भारत का नाम और बड़ा हो, इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी ने कई अभिनव निर्णय लिए हैं। बहरहाल, भारत ने अंतरिक्ष में 2035 तक अपना स्पेस स्टेशन बनाने का निर्णय लिया है, इसके लिए 2028 से कार्य प्रारंभ किया जाएगा। डॉकिंग में मिली यह सफलता स्पेस स्टेशन के मार्ग को सुगम करेगी। इसरो की इस सफलता ने आकांक्षावान भारत की उम्मीदों को पंख लगा दिए हैं। डॉकिंग तकनीक की सहायता से अब एक-एक कर स्पेस स्टेशन के हिस्से अंतरिक्ष पहुँचाए जा सकेंगे और उन्हें अंतरिक्ष में ही जोड़ा जा सकेगा। जब स्पेस स्टेशन बन जाएगा तब इसमें भारतीय एस्ट्रोनॉट भी जा सकेंगे। इसके अलावा यह प्रक्रिया चंद्रमा पर भारतीय भेजने, वहाँ से सैंपल वापस लाने समेत बाकी अभियानों के लिए मील का पत्थर होगी। कहना होगा कि अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में भारत आज दुनिया का प्रमुख हस्ताक्षर बन गया है। भारत के वैज्ञानिक जिस उत्साह और लगन के साथ कार्य कर रहे हैं, उसको देखकर कहा जा सकता है कि भारत का भविष्य स्वर्णिम है। इसरो की सफलताओं से बाकी के संस्थानों एवं विभागों को भी प्रेरणा लेनी चाहिए। यदि हम ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने कार्य को करें, तो सफलता प्राप्त करना निश्चित है।

इसरो ने ग्रेगोरियन कैलेंडर बदलने से ठीक पहले अंतरिक्ष में दो स्पेसक्राफ्ट को जोड़ने की तकनीक में महारत हासिल करने की दिशा में बड़ा कदम बढ़ा दिया। इस तकनीक को स्पेस-डॉकिंग कहते हैं। डॉकिंग को सरल भाषा में समझा जाए, तो यह दो सैटेलाईट को अंतरिक्ष में जोड़ने की प्रक्रिया है। यह कुछ हद तक जमीन पर कोई पुल बनाने जैसा है। जिस तरह पुल के अलग-अलग हिस्से आपस में जोड़े जाते हैं, उसी तरह डॉकिंग में भी दो या उससे अधिक सैटेलाईट आपस में जोड़े जाते हैं। यह पूरी सरंचना किसी विशेष काम के लिए उपयोग होती है। डॉकिंग का उपयोग वर्तमान में दो सैटेलाईट के बीच किन्हीं वस्तुओं के आदान प्रदान समेत अन्य कार्यों के लिए होता है। अंतरिक्ष में स्थापित अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन भी इसी सिद्धांत पर काम करता है। इसका निर्माण भी डॉकिंग के जरिए हुआ था। इसमें सामान की आपूर्ति भी डॉकिंग के जरिए ही होती है। प्रत्येक भारतीय नागरिक के लिए हर्ष की बात है कि अंतरिक्ष विज्ञान में इतनी बड़ी सफलता प्राप्त करनेवाला भारत दुनिया का चौथा देश है। भारत से पहले अब तक विश्व के तीन देश ही यह डॉकिंग की तकनीक विकसित कर सके हैं। यह देश अमेरिका, रूस और चीन हैं।

नौजवानों के इस जुटान का फायदा लेने के लिये जन सुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर भी पहुंचे और मुख्य सचिव से मिल आये

लाठियां , सियासत और खामोशी

कुमार कृष्णन

बिहार में बीपीएससी परीक्षा में धांधली का लेकर छात्रों का आंदोलन उठ खड़ा हुआ है। छात्रों की मांग है कि सभी 912 केन्द्रों में बीपीएससी प्रारम्भिक परीक्षाएं दोबारा हों। इस मांग पर पखवाड़े भर से जारी आंदोलन को कुचलने के लिये बिहार सरकार अब बर्बरता पर उतर आई है। रविवार की रात को पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान के पास एकत्रित हजारों परीक्षार्थियों पर पुलिस ने भीषण लाठी चार्ज किया और कड़कड़ाती ठंड में पानी की बौछारें की। उनका जमावड़ा सुबह से होने लगा था जिन्हें पुलिस बार-बार चेतावनी दे रही थी कि उन्हें प्रदर्शन की इजाज़त नहीं है।

1974 के छात्र आंदोलन की उपज रहे मुख्य मंत्री नीतीश कुमार के निजाम में छात्रों को साथ बर्बरतापूर्ण व्यवहार उनके लिए भारी पड़ सकता है। सिर्फ दिसम्बर में उन पर किए गए। ठंड से ठिठुरन होने के बावजूद उन पर पानी की बौछार करवाने की जरूरत नीतीश कुमार को क्यों पड़ी? अब तक मुख्य मंत्री नीतीश कुमार का कोई वयान नहीं आया है। बिहार में बीपीएससी परीक्षा में धांधली का लेकर छात्रों का आंदोलन उठ खड़ा हुआ है। छात्रों की मांग है कि सभी 912 केन्द्रों में बीपीएससी प्रारम्भिक परीक्षाएं दोबारा हों। इस मांग पर पखवाड़े भर से जारी आंदोलन को कुचलने के लिये बिहार सरकार अब बर्बरता पर उतर आई है। रविवार की रात को पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान के पास एकत्रित हजारों परीक्षार्थियों पर पुलिस ने भीषण लाठी चार्ज किया और कड़कड़ाती ठंड में पानी की बौछारें की। उनका जमावड़ा सुबह से होने लगा था जिन्हें पुलिस बार-बार चेतावनी दे रही थी कि उन्हें प्रदर्शन की इजाज़त नहीं है। इसे अनसुना करते हुए बड़ी संख्या में एकत्र हुए परीक्षार्थी पुलिस के बल प्रयोग से घायल हुए हैं तथा अनेक लोगों के ख़िलाफ़ पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट दर्ज हुई है। नौजवानों के इस जुटान का फायदा लेने के लिये जन सुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर भी पहुंचे और मुख्य सचिव से मिल आये। लौटकर उन्होंने इस बात का श्रेय लेने की कोशिश की कि 'वे 5 प्रतिनिधियों के मिलने की अनुमति लाने में सफल हुए हैं। यदि इसके बाद भी परीक्षार्थी संतुष्ट न हुए तो उससे ऊपर बात की जायेगी।' हालांकि रविवार को जब लाठी चार्ज हो रहा था तो वे मौके से गायब ही हो गये थे। बहरहाल, यह मुद्दा अब लगातार गर्मा रहा है और लोगों में रोष है। अगले साल बिहार विधानसभा चुनाव होने हैं जिसके लिये मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्य भर में प्रगति यात्रा निकाल रहे हैं। युवाओं के साथ यह जुल्म और उनकी अनसुनी नीतीश व उनकी गठबन्धन सरकार को महंगी पड़ सकती है। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की 70 वीं प्रारंभिक परीक्षा को रद्द करने और पुनर्परीक्षा कराने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों पर वाटर कैनन का इस्तेमाल और लाठी चार्ज के मामले को लेकर सोमवार को पूर्णिया के निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव राजभवन पहुंचे और राज्यपाल से मुलाकात की। राजभवन से

निकलने के बाद सांसद पप्पू यादव ने कहा कि राज्यपाल ने उनकी बातों को सुना। उन्होंने बताया, " राज्यपाल ने उनके सामने ही बीपीएससी चेयरमैन से बात की और जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को बुलाने की बात कही है। उन्होंने मुख्यमंत्री से बात करने का भी भरोसा दिया है। बच्चों पर हुए लाठीचार्ज की जांच की बात भी की है।" पप्पू यादव ने जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर का बिना नाम लेते हुए कहा कि 'फ्रॉड किशोर' ने बच्चों को गालियां दीं। वे बच्चों की ताकत नहीं जानते हैं। निर्दलीय सांसद ने राज्यपाल को एक ज्ञापन भी सौंपा है। इसमें परीक्षा को पूर्ण रूप से रद्द करने और पुनर्परीक्षा कराने तथा लाठीचार्ज के दौरान महिला परीक्षार्थियों के साथ दुर्व्यवहार की निष्पक्ष जांच तथा प्रदर्शनकारी छात्रों पर दर्ज मुकदमा वापस लेने की मांग की है। इससे पहले पप्पू यादव ने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट करते प्रशांत किशोर पर अभ्यर्थियों को धमकाने का आरोप लगाते हुए लिखा, "प्रशांत किशोर ख़ुद नया नेता बने हैं, और छात्रों को धमका रहे हैं, अपनी औक़ात का धौंस दिखा रहे हैं। आज जब धेले भर की चुनावी औक़ात नहीं है तो अहंकार टपक रहा है, छात्रों के सामने बड़ी-बड़ी बातें कर रहे हैं। छात्र पुलिस से पिट रहे थे आप पीठ दिखाकर भाग गए, सवाल पूछने पर गाली?" दूसरी ओर बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की 70वीं प्रारंभिक परीक्षा (पीटी) को रद्द करने की मांग को लेकर आंदोलनरत अभ्यर्थियों का एक प्रतिनिधिमंडल बिहार के मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा से मिला हालांकि, इस बातचीत का फिलहाल कोई नतीजा नहीं निकला है। इस बीच छात्रों ने धरना जारी रखने का निर्णय लिया है। प्रतिनिधिमंडल में शामिल अनु कुमारी ने कहा, "उन्होंने हमारी सारी बातों को सुना, ऐसा लगता है कि निर्णय होगा। उन्होंने कहा कि ब्यूरोक्रेसी में एक पैमाना होता है, निर्णय लेने का। जांच करने के बाद निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री के पटना आने के बाद मुलाकात करवाने का भी आश्वासन दिया।" राम कश्यप ने कहा, "उनका कहना था कि एक केंद्र पर 18 हजार बच्चे हैं। ऐसा पहले भी हुआ है कि एक परीक्षा केंद्र की परीक्षा रद्द की गई है। इसके बाद मैंने 28 केंद्रों की सूची सौंपी जिसमें अनियमितता बरती गई। प्रतिनिधिमंडल में शामिल सुभाष का कहना है कि जब तक निर्णय नहीं होता है तब तक धरना जारी रहेगा। मुख्य सचिव को कुछ सबूत भी दिए गए हैं। हम लोगों ने 4 जनवरी की बापू परिसर में पुनर्परीक्षा को स्थागित करने की बात भी कही है तथा छात्रों पर हुए मुकदमा को वापस करने की मांग रखी गई है। 70वीं संयुक्त (प्रारम्भिक) परीक्षा को लेकर 18 दिसम्बर से प्रदर्शन जारी है। रविवार को परीक्षार्थियों ने प्रदर्शन का ऐलान कर रखा था। पुलिस ने पहले ही मैदान के सारे गेट बन्द कर दिये। परीक्षार्थी फिर भी मुख्यमंत्री निवास की ओर बढ़ने लगे। उन्हें पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रोक दिया। जब वे इसके बावजूद नहीं रुके तो उन के खिलाफ बल प्रयोग किया गया। उल्लेखनीय है कि इस परीक्षा के लिये सितम्बर में विज्ञापन जारी हुआ था। इसमें शामिल होने के लिये लगभग 5 लाख लोगों ने आवेदन किया था। 3.25 लाख ने 13 दिसम्बर को परीक्षा दी परन्तु इसके पर्चे लीक होने, कई कोचिंग संस्थानों द्वारा दिये गये प्रश्नपत्रों से सवाल मिलने तथा अन्य अनियमितताओं के कारण इस परीक्षा को रद्द करने की मांग होने लगी लेकिन बीपीएससी के परीक्षा नियंत्रक राजेश कुमार सिंह ने स्पष्ट कर दिया है कि 'परीक्षा रद्द होने का सवाल ही नहीं है। बेहतर है कि परीक्षार्थी मुख्य परीक्षा की तैयारियों में जुट जायें।' यह मुद्दा कहां तक जाता है और सरकार परीक्षार्थियों की मांगें पूरी करती है या नहीं, यह तो आने वाला वक्त ही बतायेगा परन्तु रविवार के प्रदर्शन में हुई पुलिस कार्रवाई का खामियाजा नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) एवं सहयोगी भारतीय जनता पार्टी के गठबन्धन को भुगतना पड़ सकता है जिन्हें फिर से जनता का सामना करना है। प्रदर्शनकारियों का तो साफ़ कहना था कि 'उनकी परीक्षा के बाद 2025 में नीतीश कुमार सरकार की परीक्षा होगी।'

दृष्टि कोण

खेल जगत ने लिखी सफलताओं की गाथा

2024 का वर्ष खेल जगत के लिए कई मायनों में अद्वितीय, ऐतिहासिक और प्रेरणादायक रहा। यह वर्ष न केवल नई उपलब्धियों और नए रिकॉर्ड का गवाह बना बल्कि कई युवा खिलाडियों के उदय के अलावा खेल में नई तकनीकों के समावेश का मार्ग भी प्रशस्त हुआ। खेल संस्कृति में बदलाव और तकनीकी उन्नति के कारण खेलों के अनुभव को नई ऊंचाइयां मिली। वर्ष 2024 भारतीय खेलों में क्रिकेट, ओलंपिक, पैरालंपिक, शतरंज ओलंपियाड और फिडे विश्व चैंपियनशिप में सफलता के लिए याद किया जाएगा। भारतीय एथलीटों ने इस वर्ष विभिन्न अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। वॉलीबॉल और टेबल टेनिस जैसे खेलों में भी भारतीय खिलाडियों ने अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। क्रिकेट से लेकर टेनिस, हॉकी, शतरंज के अलावा भारत ने पेरिस ओलंपिक और पैरालंपिक में भी अपना लोहा मनवाया। भारत का इन खेलों में बेहतरीन प्रदर्शन रहा, जिससे समस्त देशवासी गौरवान्वित हुए। भारत में आयोजित एशियाई खेल और विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप ने वैश्विक स्तर पर भारत को एक प्रभावशाली खेल मेजबान के रूप में स्थापित किया। एक क्रिकेट विश्व कप, 6 ओलंपिक पदक, 29 पैरालंपिक पदक और दो शतरंज विश्व चैंपियनशिप सहित 2024 ने भारतीय खेल प्रशंसकों को जश्न मनाने के कई ऐसे अवसर प्रदान किए, जिससे खेलों की दुनिया में भारत का भविष्य उज्ज्वल नजर आता है। 2024 में खेलों में तकनीकी उन्नति ने निर्णायक भूमिका निभाई। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और वर्चुअल रियलिटी ने खिलाडियों के प्रशिक्षण और प्रदर्शन विश्लेषण को नई दिशा प्रदान की। इसके अलावा दर्शकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए एआर (ऑगमेंटेड रियलिटी) तकनीक का उपयोग किया गया। विश्वनाथन आनंद के बाद इस वर्ष शतरंज के नए चैंपियन उभरकर दुनिया के सामने आए और शतरंज ने खेल प्रेमियों को जश्न मनाने का भरपूर मौका दिया। हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में 45वें चेस ओलंपियाड का आयोजन हुआ था, जिसमें पुरुष वर्ग में 195 देशों की 197 टीमों और महिला वर्ग में 181 देशों की 183 टीमों ने हिस्सा लिया था। भारत की पुरुष और महिला दोनों ही टीमों ने सितंबर में इस ओलंपियाड में पहली बार स्वर्ण पदक जीते, वहीं डी गुकेश और कोनेरू हम्पी ने दिसंबर में विश्व खिताब के साथ नई ऊंचाइयों को छुआ। 12 दिसंबर को सिंगापुर में आयोजित विश्व शतरंज चैंपियनशिप में गुकेश ने महज 18 वर्ष की आयु में पिछली बार के शतरंज चैंपियन चीन के डिंग लिरेन को हराकर सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन बनकर नया इतिहास रचा। वह विश्वनाथन आनंद के बाद वैश्विक खिताब जीतने वाले दूसरे भारतीय बने, वहीं 37 वर्षीया हम्पी ने 28 दिसंबर को अपने कैरियर में दूसरी बार महिलाओं का रैपिड विश्व खिताब जीता। पिछले साल भारत वनडे विश्व कप 2023 का खिताब जीतने से चूक गया था लेकिन इस वर्ष आईसीसी ट्रॉफी जीतने का 11 वर्ष का सूखा समाप्त करने में भारत सफल हुआ। आखिरी बार महेंद्र सिंह धोनी की अगुवाई में भारत ने 2013 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी अपने नाम की थी। रोहित शर्मा की कप्तानी में 30 जून 2024 को भारतीय टीम ने बारबाडोस में दक्षिण अफ्रीका को मात देकर टी-20 विश्व कप का खिताब जीता। इसी प्रकार भारतीय हॉकी टीम ने पांचवीं बार एशियन चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता। भारत की ओर से जुगराज सिंह ने गोल दागा था, जिसकी बदौलत भारतीय टीम ने चीन को 1.0 से मात देते हुए यह खिताब अपने नाम किया। टेनिस में रोहन बोपन्ना ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2024 में इटली के सिमोन बोलेली और वावसोरी को मात देकर मेंस डबल्स का खिताब जीता और ग्रैंड स्लैम जीतने वाले सबसे उम्रदराज पुरुष खिलाड़ी बने। उन्होंने 43 वर्ष की उम्र में यह खिताब अपने नाम किया। जहां तक ओलंपिक और पैरालंपिक में भारत के प्रदर्शन की बात है तो पूरी उम्मीद थी कि भारत इस वर्ष पेरिस में ओलंपिक में नया इतिहास लिखेगा लेकिन 206 देशों के बीच भारत 71वें स्थान पर रहा और भारत का अभियान 1 रजत और 5 कांस्य सहित कुल 6 पदकों के साथ समाप्त हो गया, जबकि टोक्यो ओलंपिक में 1 स्वर्ण, 2 रजत और 4 कांस्य सहित 7 पदक जीतने में सफल हुआ था। महिला पहलवान विनेश फोगाट का 100 ग्राम वजन अधिक होने का मामला भारत की पदक उम्मीदों पर सबसे ज्यादा भारी पड़ा था क्योंकि उनके स्वर्ण पदक जीतने की उम्मीदें लगभग पक्की हो चुकी थी। पेरिस ओलंपिक में भारत भले ही टोक्यो ओलंपिक के रिकॉर्ड को नहीं तोड़ सका, लेकिन पुरुष हॉकी टीम का लगातार दूसरी बार पदक जीतना भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण रहा। निशानेबाज मनु भाकर ने तो एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतकर सनसनी मचा दी। वह एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट बनी। टोक्यो ओलंपिक के गोल्डन ब्वॉय नीरज चोपड़ा से स्वर्ण पदक जीतने की सबसे ज्यादा उम्मीदें थी, लेकिन वह रजत पदक ही हासिल कर सके।

कुछ अलग

गौरवमयी इतिहास और तिलचट्टे

देश भर के तिलचट्टो! कसम है तुम्हें उस सड़े हुए खाने की, हर तरफ फैली हुई गंदगी, बिगड़ी हुई कानून व्यवस्था, अघोषित इमरजेंसी, अव्यवस्थित वातावरण या बिगड़े हुए साम्प्रदायिक माहौल की, सदियों से जिसके होने के बावजूद हम तुरत-फुरत अपनी आबादी बढ़ाने में माहिर रहे हैं। तुम्हें सौगन्ध है उन मृत और सड़े पदार्थों की, जिन्हें हम खाते हैं और शान से नाइट्रोजन को मिट्टी में वापस रिसाइकल करते हैं। लोग भले हमसे डरते रहें, हमें अपनी चप्पलों से मारें या हम पर काला या लाल हिट स्प्रे करें, पर यह एक निर्विवाद सत्य है कि तिलचट्टे, पारिस्थितिकी तंत्र के लिए महत्वपूर्ण हैं। शायद इसी कारण भगवान ने हमें तब भी जिंदा रखा, जब लाखों साल पहले एक क्षुद्र ग्रह पृथ्वी से टकराया था और डायनासोर जैसा भीमकाय जीव भी अपना अस्तित्व खो बैठा था। लेकिन हम तब भी जिंदा रहे और हिरोशिमा तथा नागासाकी जैसे परमाणु बम के विस्फोट भी हमारा बाल न बांका कर सके। यही वजह है कि अल्लामा इकबाल जैसे अज़ीम शायर ने भी हमारी शान में अपने तराना-ए-हिन्दी में कहा है कि, 'यूनान ओ मिस्र ओ रूमा सब मिट गए जहां से, अब तक मगर है बाक़ी नाम-ओ-निशां हमारा। कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी, सदियों रहा है दुश्मन दौर-ए-ज़मां हमारा।' हज़ारों साल ग़ुलाम रहने के बाद भी कोई हमारी हस्ती को नहीं मिटा सका। हमारा इतिहास इतना गौरवशाली है कि हमें प्राचीन काल में सोने की चिडिया कहा जाता था। थे हम तब भी कंगले ही, लेकिन कहने में क्या जाता है। सदियों पहले हम घनानंद जैसे राजाओं के अति कर से परेशान थे, पर तब भी जिंदा रहे। आज भी जब कमला ताई का इनकम टैक्स और जीएसटी हमें निचोड़ रहा है, हम तब भी शान से जिंदा हैं। बिना किसी प्रतिरोध के। किसी भी युग में, किसी भी वातावरण से सामंजस्य बिठाने की हमारी इसी ख़ूबी और कला ने हमें आदि काल से अब तक बनाए रखा है। हम अपने इस गौरवमयी इतिहास को कैसे भूल सकते हैं। हम सनातनी हैं। हम पृथ्वी की रचना के समय से ही दुनिया में निरंतर बने हुए हैं। हज़ारों साल की ग़ुलामी भी हम में वह भाव या बोध नहीं जगा सकी, जिसे आत्मसम्मान कहा जाता है। राज चाहे हूणों का रहा या कुशानों का, तुकऱ्ों का रहा या मुसलमानों का, मुग़लों का रहा या अंग्रेज़ों का, क्या मजाल कि हम हस्ती मिटी हो। मिट भी कैसे सकती है, हर हुकूमत को हमने कभी अपनी दीठ और पीठ सौंपने में देर नहीं लगाई। हमारे बिखरे हुए बोध को गांधी जैसे कितने ही युग पुरुषों ने जगाने की भरसक कोशिश की, लेकिन आज़ादी मिलते ही हमने गांधी को गोलियों से भूनने के बाद बाक़ी महापुरुषों को भुलाने में देर नहीं लगाई। आज अंग्रेज़ों से माफी मांगने वाले और गांधी के हत्यारे हमारे आदर्श हैं। क्योंकि हमें पता है कि हमारे यही आदर्श हमें सदियों से जिंदा रखने में मदद करते आए हैं। मु_ी भर लोगों की सत्ता लोलुपता की वजह से देश समय-समय पर विदेशियों की दासता का शिकार रहा, लेकिन हमेशा अपने में खोये रहने वाले हम तिलचट्टे हाड़तोड़ मेहनत करते रहे, हुकूमतों को टैक्स चुकाते रहे और दयनीय जीवन जीते रहे। हमेशा अपने अतीत में खोये रहने वाले हम तिलचट्टे भले दावा करते रहें कि हम सत्य के खोजी हैं, पर हम तो तथ्यों के पीछे भी नहीं जाते। उपनिषद् और श्रुतियों से कोई नाता न रखने वाले हम तिलचट्टे स्मृतियों और पुराणों में जीते हैं। हमारे जीते जी कोई हमें कोड़े मारे या हमारे पकौड़े तले, हम तो केवल गरुड़ पुराण के कहे अनुसार मरने के बाद कोड़े खाने या हमारे पकौड़े तले जाने से डरते हैं।

देश दुनीया से

प्रदेश के युवाओं में बढ़ते हार्ट अटैक

हिमाचल प्रदेश, जिसे शांत वातावरण और स्वच्छ हवा के लिए जाना जाता है, लंबे और स्वस्थ जीवन के लिए आदर्श माना जाता है। यहां की भौगोलिक स्थिति, पर्वतीय वातावरण और संस्कृति ने इसे हमेशा जीवनशैली में सादगी और स्थिरता का प्रतीक बनाया है। यहां के निवासी प्राकृतिक संसाधनों और शारीरिक मेहनत पर आधारित जीवन जीते आए हैं, जो उनके स्वास्थ्य और लंबी आयु के लिए सहायक रहे हैं। प्रदेश की यह विशेषता न केवल इसे अन्य राज्यों से अलग करती है, बल्कि इसे एक आदर्श जीवनशैली के लिए भी पहचाना जाता है। हालांकि, हाल के वर्षों में इस आदर्श छवि को एक गंभीर चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। प्रदेश में हृदय रोग, विशेषकर युवाओं में हृदय गति रुकने (हार्ट अटैक) के मामलों में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। जहां एक समय यह समस्या मुख्य रूप से वृद्धावस्था में देखी जाती थी, वहीं अब 30-40 वर्ष की आयु के लोगों में भी यह आम हो गई है। यह स्थिति न केवल प्रदेश के नागरिकों के लिए चिंता का विषय बन गई है, बल्कि स्वास्थ्य विशेषज्ञों को भी हैरान कर रही है। युवाओं में इन घटनाओं का बढना प्रदेश की स्थिर और शांत जीवनशैली के लिए एक गंभीर चेतावनी है और इसे समय रहते गंभीरता से समझना और समाधान खोजना अनिवार्य हो गया है। हाल के वर्षों में हिमाचल प्रदेश में हृदय गति रुकने (हार्ट अटैक) की घटनाओं ने गंभीर चिंता का माहौल पैदा कर दिया है। इन घटनाओं में कई ऐसे मामले सामने आए हैं जिन्होंने प्रदेशवासियों को झकझोर कर रख दिया है। हमीरपुर में विश्व हिंदू परिषद के 46 वर्षीय कार्यकर्ता वीरेंद्र परमार प्रदर्शन के दौरान अचानक गिर पड़े और हृदय गति रुकने से उनकी मृत्यु हो गई। यह घटना न केवल उनके परिवार के लिए, बल्कि पूरे समाज के लिए एक गहरी क्षति थी। इसी तरह, पालमपुर में एक 19 वर्षीय युवक की हृदय गति रुकने से अचानक मृत्यु हो गई। यह घटना विशेष रूप से चिंताजनक है, क्योंकि यह युवाओं में तेजी से बढ़ रही हृदय संबंधी समस्याओं को उजागर करती है। क्रिकेट मैदान पर भी एक दर्दनाक घटना घटी, जब एक युवा खिलाड़ी मैच के दौरान हार्ट अटैक का शिकार हो गया। यह घटना खेल गतिविधियों के दौरान शारीरिक स्वास्थ्य पर पडऩे वाले प्रभाव को भी दर्शाती है। सुंदरनगर के रड़ा गांव में सोनू नामक व्यक्ति, जो अपनी गाड़ी में था, अचानक साइलेंट हार्ट अटैक के कारण इस दुनिया को छोड़ गया। इस प्रकार की घटनाएं यह बताती हैं कि हृदय रोग केवल शारीरिक स्वास्थ्य की समस्या नहीं है, बल्कि यह पूरे परिवार को सामाजिक और आर्थिक रूप से प्रभावित करती है। यह घटनाएं इस बढ़ते खतरे की गंभीरता को दर्शाती हैं और इस बात की ओर इशारा करती हैं कि इस समस्या के समाधान के लिए तत्काल ठोस कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। वर्तमान समय में हार्ट अटैक जैसी गंभीर समस्याओं के बढ़ते मामलों के पीछे कई कारण हो सकते हैं। हमारा बदलता खानपान, बढ़ता प्रदूषण, और भागदौड़ भरी जीवनशैली इन घटनाओं को बढ़ावा दे रही है। खास तौर पर युवा वर्ग में जंक फूड और पैकेटबंद खाद्य पदार्थों का अत्यधिक सेवन स्वास्थ्य पर गहरा नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। इन खाद्य पदार्थों को लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले प्रिजर्वेटिव्स और रसायन हृदय पर अतिरिक्त दबाव डालते हैं। बाजार में खुले में बिकने वाले उत्पाद, जिनकी गुणवत्ता पर कोई निगरानी नहीं होती, भी लोगों के स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहे हैं। इन उत्पादों और इनके प्रभावों की निष्पक्ष और गहन जांच समय की मांग बन चुकी है। इस समस्या का सबसे अधिक असर उन परिवारों पर पड़ता है, जो पहले से ही सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहे होते हैं। जब परिवार का एकमात्र कमाने वाला व्यक्ति हार्ट अटैक से अचानक मृत्यु को प्राप्त हो जाता है, तो पूरा परिवार आर्थिक रूप से बिखर जाता है। पत्नी विधवा हो जाती है और बच्चों का भविष्य अंधकारमय हो जाता है। यदि कोई युवा, जो परिवार की उम्मीद और भविष्य का सहारा होता है, इस समस्या का शिकार हो जाता है, तो यह घटना न केवल उस परिवार, बल्कि पूरे समाज को चिंतन करने के लिए मजबूर कर देती है। ऐसी घटनाओं के पीछे के कारणों का पता लगाने के लिए निष्पक्ष जांच आवश्यक है। यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि बाजार में बिकने वाले सभी खाद्य उत्पाद और अन्य सामान गुणवत्ता मानकों के अनुरूप हों। जिन उत्पादों में प्रिजर्वेटिव्स और हानिकारक रसायनों का उपयोग किया जाता है, उन पर सख्त प्रतिबंध लगाए जाएं। इसके अलावा, लोगों में जागरूकता बढ़ाने की जरूरत है ताकि वे अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें और सुरक्षित विकल्पों को चुनें। समाज और सरकार दोनों को मिलकर इन समस्याओं के समाधान के लिए ठोस नीतियां बनानी होंगी, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। हाल के वर्षों में, सोशल मीडिया और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर यह बहस तेज हो गई है कि कोविड-19 वैक्सीन के बाद हार्ट अटैक की घटनाओं में वृद्धि हुई है। कई लोगों का मानना है कि वैक्सीन के दुष्प्रभाव के कारण हृदय संबंधी समस्याओं में इजाफा हो रहा है। हालांकि, इस विषय पर कोई ठोस वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है जो सीधे तौर पर कोविड वैक्सीन और हार्ट अटैक के मामलों में वृद्धि के बीच संबंध स्थापित करता हो। फिर भी, इस मुद्दे ने लोगों के बीच गहरी चिंता पैदा कर दी है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह संयोग हो सकता है, लेकिन इसकी निष्पक्ष जांच अत्यंत आवश्यक है, ताकि लोगों की शंकाओं का समाधान हो सके। चिकित्सा विज्ञान के अनुसार, किसी भी वैक्सीन के बाद शरीर में हल्के-फुल्के दुष्प्रभाव जैसे बुखार, थकान या मांसपेशियों में दर्द सामान्य हैं। हालांकि, गंभीर हृदय संबंधी समस्याओं की संभावना बेहद कम होती है। फिर भी यदि समाज में इस तरह की चिंताएं हैं, तो इसे नजरअंदाज करना उचित नहीं है। वैज्ञानिक और चिकित्सा विशेषज्ञों को इस मामले पर गहन अध्ययन और शोध करना चाहिए। इसके साथ ही, आम जनता को सही और सटीक जानकारी प्रदान की जानी चाहिए, ताकि सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों पर विराम लगाया जा सके। सरकार-स्वास्थ्य संगठनों को इस विषय पर पारदर्शिता बनाए रखनी चाहिए और लोगों को शिक्षित करना चाहिए।

आप का नजरीया

ग्रीन ऊर्जा का ताप

पर्यावरणीय परिदृश्य से ग्रीन राज्य की बागडोर में हिमाचल ने खुद से प्रण किया है, तो संकल्प में ऊर्जा का ताप दिखने लगा है। दरअसल हिमाचल अपना निरीक्षण करता हुआ पूछता रहता है, मैं क्या बनूं? कमोबेश हर सरकार और सरकार के मुखिया ने हिमाचल को कुछ खास बनाने की तरजीह में काम किया है, लेकिन हम अभी तक पूरे नहीं हुए। वाई एस परमार के समय में हिमाचल को हिमाचल से जोडऩे का संकल्प अंततः पंजाब के पहाड़ी इलाकों तक पहुंच गया और धारा 118 के कारण अस्तित्व की मौजूदगी में हिमाचलीयत को सुदृढ़ किया गया, लेकिन हम हिमाचली भाषा के सेतु तक आज तक नहीं पहुंचे। शांता कुमार ने हिमाचल की नदियों में बहते पानी से संबोधन पैदा किए, तो घर-घर तक पीने के पानी का इंतजाम होने लगा और आज जिंदगी इतनी बेहतर हो गई कि जल शक्ति विभाग नित नई परियोजनाओं का पहरुआ बन गया। वीरभद्र सिंह ने विकास के सारे द्वार खोल कर राज्य की तरक्की के मानदंडों को इतना प्रतिस्पर्धी बनाया कि आज हिमाचल के कद से ज्यादा स्कूल-कालेज और चिकित्सा संस्थान बढ़ गए। प्रेम कुमार धूमल ने हिमाचल की दुरुहता को सडक़ों के मार्फत चीरकर समतल कर दिया तो यह रथ आज फोरलेन पर चलने लगा है। जयराम ठाकुर ने निजी निवेश के रास्तों को निचोड़ा तो आर्थिक सरहद के भीतर गैर सरकारी इंतजाम बढ़ गए। इस दौरान हर मुख्यमंत्री ने केंद्रीय योजनाओं का बेहतर इस्तेमाल किया और आर्थिकी के लिए पहली बार शांता कुमार ने पर्यटन की आंखों से मनोरम वादियों को देखा, तो होटलों की कतार में सरकारी निवेश से वीरभद्र सिंह, प्रेम कुमार धूमल और जयराम ठाकुर तक ने एचपीटीडीसी को मुकम्मल किया। हिमाचल के आर्थिक संसाधनों की सीमा में शांता कुमार ने सरकार के व्यय में संयम की लक्ष्मण रेखा खींची, लेकिन बाद में प्रेम कुमार धूमल ने जल विद्युत क्षमता के दोहन को वरीयता दी। हालांकि अपनी क्षमता के दोहन में पहले ही शांता ने मुफ्त बिजली का तोहफा केंद्र से प्राप्त कर लिया था, लेकिन सीमेंट परियोजनाओं से आर्थिकी का इंकलाब मुकम्मल नहीं हुआ। सीमेंट बनने लगा और उसे ढोने के लिए हिमाचल के ट्रक भी बढ़े, लेकिन खजाने पर यह धंधा मेहरबान नहीं हुआ। औद्योगिक निवेश के राष्ट्रीय पैकेज से लाभान्वित हिमाचल ने फार्मा उद्योग का एक बड़ा हिस्सा बीबीएन में बसा दिया, लेकिन इसके मार्फत न पैदा हुआ रोजगार हिमाचली हुआ और न ही जीएसटी की पैदावार से प्रदेश के खजाने को न्याय मिला। जयराम ठाकुर सरकार बल्क ड्रग पार्क और मेडिकल डिवाइस पार्क हासिल करने में सफल रही, लेकिन आर्थिक व व्यावहारिक दृष्टि से इनकी सफलता को देखना अभी बाकी है। इस दौरान हिमाचल का श्रृंगार कई तरह से होता रहा और अब इसी परिप्रेक्ष्य में सुखविंदर सुक्खू की प्राथमिकताएं राज्य को ग्रीन, पर्यटन, जल संसाधनों से संपन्न तथा अपनी बेचारगी से हट कर देखने को मशगूल हैं। वह पर्यटन की परवरिश में कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार की सलामी ले रहे हैं, तो वाटर सेस की आजमाइश में हिमाचल की बेडिय़ां तोडऩा चाहते हैं।

जिला खत्म करने का विरोध

जयपुर (हिंस)। राजस्थान के नौ जिले खत्म करने के सरकार के फैसले का विरोध तीसरे दिन भी नहीं थमा है। जिलों को बहाल नहीं करने पर कांग्रेस समेत अन्य संगठनों और लोगों ने उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है। नीमकाथाना में जिला बचाओ संघर्ष समति के लोगों ने कलेक्ट्रेट के आगे अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी है। खेतडी मोड़ पर युवाओं ने टायर जलाकर प्रदर्शन किया। फैसले के विरोध में पंचायत समिति सदस्य और जिला परिषद सदस्य ने इस्तीफा दे दिया है। जिसमें वार्ड 24 की जिला परिषद सदस्य कोयली देवी और वार्ड चार की पंचायत समिति सदस्य ममता शर्मा शामिल हैं। नीमकाथाना में कलेक्ट्रेट के आगे बैठे प्रवीण जाखड़ ने बताया कि जब तक सरकार नीमकाथाना जिले को यथावत नहीं करेगी। तब तक हड़ताल जारी रहेगी। राजनीतिक हस्तक्षेप के चलते नीमकाथाना जिले को हटाया गया है, नीमकाथाना जिला मापदंड पूरे करता है।

उप्र पुलिस के किए गए एनकांउटर की हो न्यायिक जांच : एसजीपीसी

चंडीगढ़ (हिंस)। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने इस साल की अंतिम बैठक में उत्तर प्रदेश पुलिस के हाल ही में किए गए एनकांउटर की न्यायिक जांच की मांग की है। पंजाब के पुलिस थानों पर हो रहे ग्रेनेड हमलों के चलते उत्तर प्रदेश पुलिस ने हाल ही में पंजाब के तीन युवकों को एनकांउटर किया था। मृतक युवकों के परिजन एनकांउटर पर सवाल खड़े कर रहे हैं। एसजीपीसी ने मृतकों के परिजनों की आशंकाओं का समर्थन करते हुए मंगलवार को हुई बैठक में प्रधान हरजिंद्र सिंह धामी ने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस की कार्रवाई सवालों के घेरे में है। प्रारंभिक तौर पर ऐसा प्रतीत होता है कि बेहद कम उम्र के युवाओं को जानबूझ कर निशाना बनाया गया है। इस एनकांउटर की न्यायिक जांच

होनी चाहिए। एसजीपीसी की बैठक में अकाली दल के पूर्व प्रधान सुखबीर बादल पर बीती चार दिसंबर को फायरिंग करने के आरोपित आतंकी नारायण सिंह चौड़ा को पंथ से छेकने (बाहर करने)की मांग को भी खारिज कर दिया गया। कमेटी की बैठक में पूर्व जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह के मामले की जांच के लिए बनाई गई कमेटी का कार्यकाल एक माह के लिए बढ़ाने का भी फैसला लिया गया। बैठक में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को भी श्रद्धांजलि दी गई।

नारी शक्ति वंदन सम्मान समारोह में 101 नारी शक्तियां हुई सम्मानित

जयपुर (हिंस)। महिला एवं बाल विकास को समर्पित संस्था वूमेन पावर सोशलिटी फाउंडेशन इंडिया द्वारा नारी शक्ति वंदन सम्मान समारोह 2024 का आयोजन किया गया जिसमें 101 नारी शक्तियां को सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम वूमेन पावर सोशलिटी फाउंडेशन इंडिया की राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकन्या, उपाध्यक्ष राजरानी के निर्देशानुसार एवं राष्ट्रीय सचिव उमा सोनी और संयोजक संतोष कुमार की अनुशंसा द्वारा आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में स्वामी अनादि सरस्वती एवं आर्किटेक्ट डॉ. दौलत राम माल्या उपस्थित थे। कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि के रूप में पूनम चौधरी पुलिस निरीक्षक उपस्थित थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. एपी सिंह द्वारा की गई। वूमेन पॉवर सोशलिटी फाउंडेशन इंडिया द्वारा इस सम्मान समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में, समाज हित में, बच्चों के शिक्षा, संरक्षण, अधिकार, रोजगार, चिकित्सा, गायन, नृत्य, समाज सेवी आदि में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 101 नारी शक्तियों को पगड़ी व दुपट्टा पहना कर साथ में मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता रजत बैजल एवं भाजपा युवा नेता नरसी किराड़ ने कार्यक्रम में सम्मानित सभी नारी शक्तियों, समाज सेवियों एवं अतिथियों को धन्यवाद देते

हुए वूमेन पावर सोशलिटी फाउंडेशन को उनके इस नेक काम के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी। इस दौरान विभिन्न नई नियुक्तियां भी की गई जिसमें राष्ट्रीय सलाहकार के पद पर एड ज्योतिषाचार्य सुदेश शर्मा, फिजियोथैरेपिस्ट समाज सेविका डॉ. माधुरी शर्मा को (कन्या जन्म गौरव स्वाभिमान) लाडो की प्रदेश अध्यक्ष (राजस्थान) का पद एवं प्रियंका जैन को संयोजक जयपुर पूर्व के पद पर एवं मानसी मीरवाल को युवा महिला छात्र संघ की प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया। कार्यक्रम में डॉ. रामजी चंद्रवाल संस्थापक अध्यक्ष, डॉ. प्रेम चंद सुमन मुख्य संरक्षक (सामर्थ्य सेवा संस्था), पूर्णिमा पाठक प्रशासनिक अधिकारी (रेलवे) भी उपस्थित थे।

राजस्थान सरकार ने सालभर से कोई काम नहीं किया : गहलोत

जयपुर (हिंस)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्थान में नौ जिले और तीन संभाग खत्म करने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य के अंदर एक साल में ऐसी निकम्मी-नकारा सरकार रही है, जिसने कोई काम नहीं किया। एक साल में इनकी क्या उपलब्धि रही, यह बताते ही नहीं हैं। ये बताएं कि एक साल की उपलब्धि क्या है? गहलोत ने मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि मरणोपरांत पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के सम्मान का केंद्र ने ध्यान नहीं रखा। स्मारक बनाने पर केंद्र ने विवाद पैदा किया। जहां दाह संस्कार करते हैं, वहीं स्मारक बनता है। राहुल गांधी ने ऑफर भी किया था कि इंदिरा गांधी और राजीव गांधी का जहां स्मारक है, वहीं बना दीजिए। इसके बावजूद भी विवाद पैदा करवाया गया। जब सरकार नाकाम रहती है तो ध्यान डायवर्ट करने के लिए इसी तरह विवाद पैदा करती है। राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मुद्दा उठाया। केंद्र सरकार और भाजपा के लोग अब सफाई देते घूम रहे हैं। जब पूरे देश से इन्हें फीडबैक मिला तो कह रहे हैं कि हम स्मारक बनाएंगे। गहलोत ने कहा कि हमने बिना मांग किए पूर्व उपराष्ट्रपति भैरोंसिंह शेखावत का स्मारक बनाया था। डॉ. मनमोहन सिंह के लिए तो कांग्रेस ने मांग की और खड़गे साहब ने पत्र लिखा। राजस्थान में तो शेखावत के संबंध में भाजपा की कोई मांग नहीं थी, उनके परिवार वालों से बात हुई। अलग से हमने जगह दे दी। उनका स्मारक बनवाया।

राज्य में लॉजिस्टिक्स हब और नए औद्योगिक नोड्स विकसित करने के लिए सरकार उपयुक्त स्थानों की कर रही है पहचान

जयपुर (हिंस)। *राइजिंग राजस्थान* ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के सफल आयोजन के एक महीने के भीतर ही राज्य सरकार राज्य के औद्योगिक विकास को एक नयी दिशा देने में लग गई है। इसके तहत लॉजिस्टिक्स हब, नए औद्योगिक नोड्स और मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क स्थापित करने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है और इसके लिए राज्य के अंदर मौजूद उपयुक्त भूखंडों की पहचान की जा रही है, ताकि *ईज ऑफ डूइंग बिजनेस* और अच्छा हो सके और निवेशकों को कठिनाइयों का सामना न करना पड़े। इसके मद्देनजर, उद्योग विभाग के प्रमुख शासन सचिव अजिताभ शर्मा और रीको के मैनेजिंग डायरेक्टर इंद्रजीत सिंह के नेतृत्व में वरिष्ठ अधिकारियों की एक टीम ने इन परियोजनाओं के लिए रणनीतिक स्थानों की पहचान करने के उद्देश्य से जयपुर के आसपास के औद्योगिक भूखंडों का दौरा किया। इसके तहत, राज्य सरकार के अधिकारियों ने मांडा, फुलेरा (जो वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरीडोर के पास है) और बिचून औद्योगिक क्षेत्रों का दौरा किया और लॉजिस्टिक्स हब व औद्योगिक क्षेत्रों के विकास से संबंधित परियोजनाओं के लिए इन क्षेत्रों में उपलब्ध विभिन्न भूखंडों की उपयुक्तता का आकलन किया। इसके अलावा, बागावास गांव में लगभग 67 हेक्टेयर भूमि की उपयुक्तता पर भी विचार किया गया। प्रदेश में लॉजिस्टिक्स पार्क और औद्योगिक क्षेत्रों के विकास के लिए राज्य सरकार लगभग 200-250 हेक्टेयर जमीन चिन्हित करने की तैयारी कर रही है। इसके अलावा, अधिकारियों ने मांडा औद्योगिक क्षेत्र का विस्तार प्रस्तावित लैंड एग्रीगेशन पॉलिसी के तहत करने और बिचून औद्योगिक क्षेत्र के तेजी से विकास पर भी विचार किया। उद्योग विभाग के प्रमुख शासन सचिव अजिताभ शर्मा ने कहा कि नए लॉजिस्टिक्स पार्क और औद्योगिक क्षेत्रों के निर्माण से कारोबार के परिचालन में आसानी होगी और व्यापार की लागत कम होगी। दौसा-बांदीकुई क्षेत्र (जो दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के निकट है) और मांडा एक्सटेंशन (जो वेस्टर्न डेडीकेटेड फ्रेट कॉरीडोर के निकट है), जो राज्य के दो औद्योगिक क्षेत्र हैं, में विकास और विस्तार की अपार संभावनाएं हैं। बांदीकुई और मांडा औद्योगिक क्षेत्रों में रीको सरकारी जमीन और एकत्रीकरण के जरिए ली गई निजी जमीनों पर निवेश और लॉजिस्टिक क्षेत्र विकसित करेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुसार व्यापार करने में आसानी बढ़ाने और इन्वेस्टमेंट समिट के समय में हस्ताक्षरित निवेश प्रस्तावों (एमओयू) को परियोजनाओं में बदलने के लिए राज्य सरकार द्वारा हर संभव प्रयास किया जा रहा है।

योगी और मोदी के राज में आज देश और प्रदेश में आनंद ही आनंद : स्वामी अधोक्षजानंद

महाकुंभ नगर (हिंस)। प्रयागराज में महाकुंभ का महाआयोजन अब बस चंद दिन दूर है और महाकुम्भनगर में पूज्य संतों का आगमन शुरू हो चुका है। महाकुंभ के लिए योगी सरकार द्वारा की गई व्यवस्थाओं से ये संत भी प्रभावित नजर आ रहे हैं। इन व्यवस्थाओं को लेकर गोवर्धनमठ पुरी पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद देवतीर्थ ने योगी सरकार की प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि सीएम योगी स्वयं एक साधु पुरुष हैं। वो यहां बार-बार आकर व्यवस्थाओं का अवलोकन कर रहे हैं, जिससे धर्मावलंबियों का हौसला और मनोबल प्रबल हो रहा है। ऋषि मुनियों और साधकों को साधना, यज्ञ और तप करने के लिए अनुकूल माहौल मिल रहा है। महाकुंभ में साधु संतों की पूजा और अनुष्ठान का पुण्य राज्य और स्वयं उनको प्राप्त होगा। सभी संत और महंत मुख्यमंत्री जी की यश, कीर्ति, मान, सम्मान और उज्ज्वल भविष्य के लिए विशेष प्रार्थना करेंगे। स्वामी अधोक्षजानंद ने कहा कि कालांतर में भारत में विधर्मी शासन रहा, जिसमें हमारे धार्मिक अनुष्ठानों को महत्व नहीं मिलता था। आज फिर से भारत भूमि में सनातन को मानने वालों का शासन आया है, जिसका असर यहां प्रत्यक्ष दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि तीर्थ क्षेत्र में आने के लिए भक्ति और भक्त होना जरूरी है। कोई अभक्त और अशिष्ठ शासक अहंकार से आएगा तो तीर्थ उसे कभी स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री की प्रशंसा करते हुए कहा कि जितना मुखर और उदार होकर मुख्यमंत्री ने हमारे मान-सम्मान के लिए व्यवस्था की है तो हम लोग भी राज्य की समृद्धि, कल्याण, आर्थिक उत्थान और उनके खुद के अभ्युदय की विशेष कामना करेंगे। उन्होंने कहा कि राक्षसी प्रवृत्तियां अनादिकाल से ही सनातन को चोट पहुंचाने और भ्रम फैलाने के लिए कार्य करती रही हैं। कभी-कभी वो कामयाब होती भी दिखती हैं। लेकिन जब-जब ऐसा होता है तब परमात्मा अवतार लेते हैं। यह महाकुंभ सनातन धर्मावलंबियों को शक्ति प्रदान करेगा। सनातन का झंडा पूरे विश्व में लहराने वाला है और इसका शक्तिपात महाकुंभ से होने वाला है। देश और राज्य में धार्मिक स्थलों के उन्नयन पर उन्होंने कहा कि जब भी कोई सभ्य शासक हुआ है वो यह जानने की कोशिश करता है कि हमारी प्रजा के साथ कहां अन्याय हुआ है और उनकी भावनाएं कहां आहत हुई हैं। देवी, देवता, मठ, मंदिर, गंगा, यमुना, हिमालय यह सब हमारे अराध्य देव हैं। इनका मान सम्मान होता है तो समाज सुखी होता है। वो बुरा समय था जब हमारे मठ मंदिरों को तोड़ा गया। हमारे सांस्कृतिक प्रतीकों को चोट पहुंचाई गई। जब असुरीय शक्तियां हावी होती दिखती हैं तो दैवीय शक्तियां उत्पन्न होती हैं। ये महान लोग महापुरुष, त्यागी, बैरागी, ज्ञानी, आचार्य के साथ ही एक महान शासक के रूप में भी आते हैं। आज आनंद का समय है। हमारा शासक अनुकूल है, हमारा धर्म-कर्म सब अनुकूल है। स्वामी अधोक्षजानंद के शिविर में असम से आए केले के पत्तों के बने आसन महाकुंभ का प्रमुख आकर्षण बनने जा रहे हैं। सेक्टर 18 में स्थित शिविर में असम से 151 आसन आ चुके हैं। इसके साथ ही, नॉर्थ ईस्ट से बड़ी संख्या में नारियल और कच्ची सुपारी (तांबुल) भी लाई गई है। यह सभी चीजें महाकुंभ के दौरान यज्ञशाला में हवन में उपयोग में लाई जाएंगी। केले के बने आसन के बारे में स्वामी जी ने बताया कि केले के पेड़ को काटकर और खोलकर सुखाया जाता है। इसके बाद इसे जोड़कर तैयार किया जाता है। उन्होंने बताया कि पहली बार महाकुंभ में इस तरह के आसन लाए गए हैं। नॉर्थ ईस्ट के अलावा अन्य राज्यों से भी बड़ी संख्या में यहां नारियल और सुपारी लाई जा रही है।

होटल पर फायरिंग करके दहशत फैलाने के मामले में चार गिरफ्तार

हिसार (हिंस)। मॉडल टाउन स्थित कुबेर होटल पर गोली चलाने के मामले में मंगलवार को अर्बन एस्टेट थाना पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। चारों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि इस संबंध में घटना के दिन पुलिस कंट्रोल रूम में मॉडल टाउन स्थित कुबेर होटल में गोली चलने की सूचना प्राप्त हुई। मौके पर पहुंची पुलिस टीम को कुबेर होटल में कर्मचारी कोथकलां निवासी सोनू ने शिकायत दी कि 29 दिसंबर की रात में वह अपने होटल पर अनूप और मंजीत के साथ मौजूद था कि झगड़े की आवाज सुनाई दी।

उप्र में आठ वर्ष में पुलिस ने मुठभेड़ में मारे 217 अपराधी

लखनऊ (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत उत्तर प्रदेश पुलिस ने अपराधियों पर ठोस कार्रवाई की है। 20 मार्च 2017 से लेकर 28 दिसंबर 2024 तक पुलिस मुठभेड़ में 217 अपराधी मारे गये हैं जबकि पुलिस के 17 जवान अपने कर्तव्यों को निर्वाहन करते बलिदानी हुए हैं। मुठभेड़ों और गिरफ्तारियों ने यह साबित कर दिया है कि राज्य सरकार अपराधियों के खिलाफ बेहद सख्ती अपना रही है। यह जानकारी मंगलवार को राज्य पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार की ओर सेजारी विज्ञप्ति में दी गई। आंग्ल नए साल के महज कुछ ही घंटे अब शेष बचे हैं। राज्य पुलिस प्रशासन ने साल भर के रिपोर्ट कार्ड पेश किया हैं। इस दौरान यह बताया गया कि योगी आदित्यनाथ ने जब से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री का पदभार संभाला है। उनकी जीरों टॉलरेंस की नीति के तहत अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी है। पुलिस की ताजा जानकारी के मुताबिक, 20 मार्च 2017 से 28 दिसंबर 2024 तक 217 अपराधी मुठभेड़ में मारे गये और 7799 अपराधी घायल हुए। बदमाशों से मोर्चा लेने के दौरान पुलिस के 17 जवान वीरगति को प्राप्त हुए। 1644 अपराधी घायल हुए हैं। पुलिस की ओर से घोषित थे इनाम- यूपी पुलिस ने ऐसे अपराधियों को मारा गिराया हैं, जिनका समाज में आतंक भय व्याप्त है। सरकार ने ऐसे ही अपराधियों पर इनाम घोषित किए थे। इनमें पांच लाख, ढाई लाख, दो लाख, डेढ़ लाख, एक लाख और पचास हजार रुपए के इनाम घोषित थे। वहीं, 20 मार्च 2017 से 22 दिसंबर 2024 तक कुल इनामी 19955 गिरफ्तार कर जेल भेजे गये हैं। इनमें 25 हजार रुपए के 17, 849 अपराधी, 25 से 50 हजार रुपए तक 1883 अपराधी, 50 हजार रुपए से अधिक धनराशि के 223 इनामी अपराधी शामिल है। 924 अभियुक्तों पर लगाई रासुका, 140 अरब से अधिक संपत्ति सीज-यूपी पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की है। इनमें 924 अभियुक्तों पर राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम रासुका के तहत हुई कार्रवाई की है। वहीं, गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए 140 अरब 90 करो? 50 लाख 79 हजार 181 रुपए की चल अचल संपत्ति के जब्तीकरण की कार्रवाई की गई है। पुलिस की कार्रवाई होगी तेज-राज्य पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार की ओर से आज जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि उत्तर प्रदेश को अपराध मुक्त बनाने के लिए यूपी पुलिस अपनी कार्रवाई में और तेजी लाएगी।

भारत-नेपाल के पुलिस अधिकारियो की हुई संयुक्त बैठक, कई मुद्दों पर बनी सहमति

पूर्वी चंपारण (हिंस)। भारत-नेपाल के थाना स्तरीय समन्वय समिति की बैठक मंगलवार को जीतना थाना परिसर में सौहार्दपूर्ण वातावरण में आयोजित हुई, जिसकी अध्यक्षता जितना थानाध्यक्ष अमित कुमार एवं नेपाल पुलिस प्रभारी विजय कुमार महतो ने संयुक्त रूप से की। बैठक में दोनों देशो के अधिकारियों द्वारा बारी- बारी से विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत रूप से द्विपक्षीय चर्चा की गई। इस दौरान बिहार के रास्ते भारत में नेपाल से जाली नोट के आवागमन पर रोक लगाने पर भी विशेष रूप से चर्चा की गई। बैठक में दोनों देश के बॉर्डर पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष रूप से बल दिया गया। दोनों देशो के पुलिस अधिकारियो ने बारी-बारी से मानव तस्करी, शराब के भारतीय सीमा में प्रवेश पर नियंत्रण, बिहार में शराब बंदी को प्रभावी रूप से लागू करने में नेपाल के सीमावर्ती जिलों का महत्वपूर्ण सहयोग, बॉर्डर पर अतिक्रमण, जाली नोटों पर अंकुश,

अपराधियों की धरपकड़ असामाजिक तत्वों द्वारा खुली सीमा का दुरुपयोग, प्रतिबंधित दवाओं की तस्करी व सूचनाओं के आदान-प्रदान सहित कई अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही इन मुद्दो पर आपसी समन्वय के साथ पूरी सजगता के साथ कार्य करने को लेकर आपसी सहमति बनी। बैठक के पश्चात अधिकारियो ने बताया कि भारत और नेपाल का संबंध सदियों से अत्यंत प्रगाढ़ रहे हैं। दोनों देशों के बीच बेटी-रोटी का संबंध है। दोनों ही देशों के नागरिकों के बीच आपसी प्रेम एवं सौहार्द बनी रहे इसको लेकर हम निरंतर प्रयासरत हैं। महत्वपूर्ण और फलदाई बताया। बैठक की संयुक्त अध्यक्षता कर रहे नेपाल पुलिस के प्रभारी विजय कुमार महतो ने कहा कि यह बैठक न केवल हमारे दोनों देशों के बीच सद्भाव और मित्रता का प्रतीक है, बल्कि सीमा क्षेत्र में शांति, सहयोग और समन्वय को सुदृढ़ करने का एक महत्वपूर्ण अवसर भी प्रदान करता है। जीतना थाना अध्यक्ष अमित कुमार ने दोनों देश एक दूसरे के अपराधियों की सूची आदान-प्रदान करने सहित कई विषयों पर अपनी बात रखी। उन्होंने अपराधियों की धर-पकड़, सूचनाओं का आदान-प्रदान, नेपाल में शराब की बिक्री पर नजर रखने, अवैध शराब एवं शराबियों पर कड़ी नजर, नेपाली नंबर के वाहनों के भारतीय सीमा में प्रवेश, नेपाली सिम का दुरुपयोग आदि विषयों पर अपनी बातें रखी। मौके पर नेपाल पुलिस सहायक चंद्रिका राउत, अपर थाना अध्यक्ष विकास आनंद, एसआई शाहिद आलम मौजूद थे।

छात्रों की हितैषी है नीतीश सरकार उनकी हर वाजिब मांगों को सुना जाएगा : विजय कुमार चौधरी

पटना (हिंस)। मंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा कि एनडीए गठबंधन दिनोंदिन मजबूत हो रहा है और वर्ष 2025 के विधानसभा चुनाव में हमारा गठबंधन चट्टानी एकता के साथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में रिकॉर्ड बहुमत से जीत दर्ज करेगा। विजय चौधरी ने मंगलवार को जदयू प्रदेश कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बात करते हुए बीपीएससी अभ्यर्थियों के मुद्दों पर कहा कि नीतीश सरकार छात्रों की हितैषी है और उनकी हर वाजिब मांगों को सुना जाएगा। कुछ लोग निहित राजनीतिक स्वार्थ के लिए छात्रों की भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। मंत्री चौधरी ने कहा कि बिहार सरकार के मुख्य सचिव की ओर से पेपर लीक को लेकर प्रमाण मांगा गया है और अगर इस संबंध में कोई शिकायत आती है तो हमारी सरकार निश्चित रूप से मामले को संज्ञान में लेकर आगे की कार्रवाई करेगी लेकिन अब तक किसी तरह का कोई प्रमाण अभ्यर्थियों द्वारा प्रस्तुत नहीं किया गया है। हमारी सरकार छात्रों की हितों को समझती है और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार छात्रों के साथ किसी भी सूरत में कोई नाइंसाफी नहीं होने देंगे। आंदोलनरत अभ्यर्थियों पर हुए मुकदमों के संबंध में उन्होंने कहा कि प्रशासनिक अधिकारी तमाम मामलों को देख रहे हैं और हमारी सरकार उदारतापूर्वक इस पर विचार करेगी। साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार किसी के अल्टीमेटम से नहीं चलती है, हम अपने दायित्वों के प्रति सजग और समर्पित हैं। मौके पर विधानपार्षद संजय कुमार सिंह उर्फ *गांधी जी* एवं वरीय नेता प्रो. नवीन आर्य चंद्रवंशी मौजूद रहे।

सनातन धर्म की अलख जगाने प्रयागराज महाकुंभ आ रही है पवित्र छड़ी यात्रा

महाकुम्भ नगर (हिंस)। प्रयागराज महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगाने आ रहे करोड़ों श्रद्धालु सनातन की अलख जगाने निकली पवित्र छड़ी का भी दर्शन कर सकेंगे। श्री पंच दशनाम आवाहन अखाड़े के सैकड़ों महात्मा इस पवित्र छड़ी को लेकर प्रयागराज पहुंच रहे हैं। यह जानकारी मंगलवार को यात्रा की अगुवाई कर रहे आवाहन अखाड़े के श्री महंत गोपाल गिरी ने दी। उन्होंने बताया कि हरिद्वार से यह पावन छड़ी यात्रा शुरू हो चुकी है। छड़ी यात्रा की अगुवाई प्रयाग महाकुंभ में आवाहन अखाड़े के दादा जी धुनी वाले श्री महंत गोपाल गिरी कर रहे हैं। उनका कहना है कि अखाड़े के निर्देशानुसार छड़ी के चार श्री महंत चुने गए हैं जो उनके साथ चल रहे हैं। आवाहन अखाड़े के साधुओं का जत्था भी साथ है। यह पवित्र छड़ी यात्रा 1 जनवरी को प्रयागराज महाकुंभ पहुंचेगी, जहां विभिन्न स्थानों पर इस यात्रा का अखाड़ों के साधु संत और श्रद्धालु स्वागत करेंगे। इस छड़ी यात्रा की शुरुआत के इस साल 1220 वर्ष पूरे हो रहे हैं। इस यात्रा की अगुवाई कर रहे आवाहन अखाड़े के श्री महंत गोपाल गिरी का कहना है कि आदिगुरू शंकराचार्य जी के नेतृत्व में आज से

1220 वर्ष पूर्व अखाड़ा श्री शंभू पंच दश नाम आवाहन नागा सन्यासी के 550 महात्माओं और श्री महंत द्वारा भारत के सनातन धर्म के मंदिरों का जीर्णोद्धार करने के लिए यह छड़ी यात्रा शुरू की गई थी। इस बार प्रयाग महाकुंभ में अखाड़ा श्री शंभू पंच दशनाम आवाहन नागा संन्यासी को 1478 वर्ष हो रहे हैं और 2025 में आवाहन अखाड़ा 123वां महाकुंभ स्नान करने जा रहा है। उनके साथ यह पवित्र छड़ी भी स्नान करेगी। एक जनवरी 2025 से 27 फरवरी तक यह पवित्र छड़ी प्रयागराज महाकुंभ में आवाहन अखाड़े के छावनी में दर्शन के लिए रखी जाएगी।

बिजली क्षेत्र को निजी हाथों में देने के विरोध में बिजली कर्मचारियों का प्रदर्शन

फतेहाबाद (हिंस)। चंडीगढ़ बिजली विभाग व यूपी के आगरा व वाराणसी डिस्काम को निजी हाथों में सौंपने के खिलाफ मंगलवार को फतेहाबाद में बिजली कर्मचारियों द्वारा प्रदर्शन किया गया। ऑल हरियाणा पावर कारपोरेशन वर्कर यूनियन यूनिट फतेहाबाद द्वारा आज सभी सब यूनिटों पर विरोध गेट मीटिंग की गई और सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रोष जताया गया। फतेहाबाद में गेट मीटिंग की अध्यक्षता सिटी सब यूनिट प्रधान संजय कुमार ने की व संचालन यूनिट सचिव रामनिवास शर्मा ने किया इसमें मुख्य रूप से सर्कल सचिव भूप सिंह भड़ोलावाली मौजूद रहे। कर्मचारियों को संबोधित करते हुए भूप सिंह भड़ोलांवाली ने कहा कि नेशनल कोआर्डिनेशन कमेटी आफ इलेक्ट्रिसिटी एम्पलाइज एंड इंजीनियर और चंडीगढ़ में आयोजित आक्रोश जनसभा में घोषित निर्णय अनुसार आज देशभर में बिजली कर्मचारियों द्वारा प्रदर्शन किए गए हैं। उन्होंने कहा कि अगर सरकार ने इस निजीकरण के फैसले को वापस नहीं लिया तो आने वाले समय में यूनियन और बड़ा आंदोलन करने के लिए मजबूर होगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने चंडीगढ़ बिजली निगम को प्राइवेट हाथों में देने का फैसला कर लिया है। चंडीगढ़ बिजली निगम फायदे में होते हुए भी केंद्र सरकार जबरदस्ती प्राइवेट कंपनियों को बेचने जा रही है। चंडीगढ़ बिजली क्षेत्र का टोटल एसेट लगभग 25 हजार करोड़ रुपए का है और सरकार अपने चहेतों को फायदा पहुंचाने के लिए इसको केवल 871 करोड़ में बेचने जा रही है। इसके अलावा अन्य सार्वजनिक उपक्रमों की सम्पतियों को बर्बाद करने पर तुली हुई है। उन्होंने कहा कि यह बिजली का ढांचा बड़ी मेहनत के साथ खड़ा किया गया था। सरकार अपनी कमजोरियां छिपाने के लिए सब कुछ बेचने पर आमादा है, जो आम जनता के हित में नहीं है। इससे आने वाले समय में महंगी बिजली खरीदने पर आम उपभोक्ता मजबूर होगा। विरोध गेट मीटिंग को हनुमान सिंह, सुशील कुमार, सुरेश कुमार, हरमीत सिंह, विकास शर्मा ने भी संबोधित किया।

अडानी ने साल जाते-जाते की जमकर कमाई, सूची में चढ़े एक स्थान ऊपर

नई दिल्ली

दुनियाभर के शेयर बाजारों में गिरावट रही भारत भी इससे अछूता नहीं रहा। दुनिया के टॉप 20 अमीर लोगों में से 17 की नेटवर्थ में गिरावट आई। केवल गौतम अडानी, अमेरिका के लैरी एलिसन और एनवीडिया के फाउंडर जेंसन हुआंग की नेटवर्थ में तेजी बनी रही। शेयर बाजार में गिरावट के बावजूद अडानी ग्रुप के अधिकांश शेयरों में सोमवार को तेजी नजर आई। इससे अडानी की नेटवर्थ में 3.48 अरब डॉलर की तेजी आई। वह 80.1 अरब डॉलर की

दुनिया के टॉप 17 अमीर लोगों की नेटवर्थ में आई गिरावट

नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की सूची में एक स्थान चढ़कर 18वें नंबर पर पहुंच गए। अडानी टोटल गैस में सोमवार को 11.20 फीसदी तेजी रही जबकि ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज का शेयर 7.65 फीसदी तेजी के साथ बंद हुआ। अडानी पावर में 6.46 फीसदी, अडानी ग्रीन एनर्जी में 2.31 फीसदी और अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस में 2.46 फीसदी की तेजी देखी गई। इसके साथ ही अडानी एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी के करीब पहुंच गए। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन अंबानी की नेटवर्थ में 64.7 करोड़ डॉलर की गिरावट रही। वह 90.6 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 17वें नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 5.73 अरब डॉलर की गिरावट आई है। दुनिया के सबसे अमीर इंसान एलन मस्क की नेटवर्थ में सोमवार को 9.83 अरब डॉलर की गिरावट रही और अब यह 442 अरब डॉलर रह गई है। ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस 241 अरब डॉलर के साथ दूसरे नंबर पर हैं। फेसबुक के फाउंडर मार्क जकरबर्ग 209 अरब डॉलर के साथ तीसरे, लैरी एलिसन 193 अरब डॉलर के साथ चौथे, बर्नार्ड आरनॉल्ट 176 अरब डॉलर पांचवें, लैरी पेज 170 अरब डॉलर के साथ छठे, सर्गेई ब्रिन 160 अरब डॉलर सातवें, बिल गेट्स 160 अरब डॉलर आठवें, स्टीव बालमर 148 अरब डॉलर नौवें और वॉरिन बफे 142 अरब डॉलर के साथ दसवें नंबर पर जमे हुए हैं।

न्यूज ब्रीफ

आरबीआई की ओर से सुरक्षित बैंकिंग के लिए नए निर्देश, और अधिक सुरक्षित होगा आरटीजीएस और एनईएफटी से लेनदेन

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हाल ही में सभी बैंकों को एक महत्वपूर्ण निर्देश जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि वे आरटीजीएस या एनईएफटी प्रणाली का उपयोग करते समय पैसा भेजने वाले खाताधारकों का नाम वैरिफाई करने की सुविधा प्रदान करें। इस सुविधा की शुरुआत करने के लिए, आरबीआई ने सभी बैंकों को 1 अप्रैल, 2025 तक की डेडलाइन दी है। आरबीआई के इस कदम से धन भेजने वाले लाभार्थी के खाते का नाम और ब्रांच आईएफएससी कोड इनपुट करने के बाद उनकी पहचान किया जा सकेगा। इस तरह गलत क्रेडिट और धोखाधड़ी की संभावना कम हो जाएगी और ग्राहकों के लिए सुरक्षित लेनदेन सुनिश्चित होगा। रियल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट (आरटीजीएस) पेमेंट सिस्टम और नेशनल इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर (एनईएफटी) सिस्टम के माध्यम से पैसा भेजने पर, लाभार्थी का नाम वैरिफाई करना आसान हो जाएगा। यह सुविधा ग्राहकों के बीच विश्वास और आत्मविश्वास को बढ़ाएगी। आरबीआई द्वारा यह निर्णय लिया गया है क्योंकि इससे ग्राहकों को ऑनलाइन लेनदेन के दौरान अधिक सुरक्षा और सहायता मिलेगी। इस प्रक्रिया को माध्यम से बैंक और उपभोक्ता दोनों को होने वाले किसी भी जोखिम को कम किया जा सकेगा। यह सुरक्षा की नई कड़ी में एक महत्वपूर्ण कदम है और इसके इम्पलीमेंटेशन से उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं प्राप्त होंगी। यहां तक कि भारतीय बैंकिंग सेक्टर में भुगतान प्रणालियों की दिशा में यह एक बड़ा और पहले से ही कीमती कदम साबित हो सकता है।

वारी रिन्यूएबल को दो गीगावाट की सौर परियोजना का मिला ठेका, यह सौर परियोजना राजस्थान के बीकानेर में स्थित होगी

नई दिल्ली। वारी रिन्यूबल टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (डब्ल्यूआरटीएल) ने जिंदल रिन्यूएबल्स की विशेष इकाई (एसपीवी) सनब्रीज रिन्यूएबल्स नाइन प्राइवेट लिमिटेड से दो गीगावाट सौर परियोजना के लिए अपना सबसे बड़ा इंजीनियरिंग, खरीद व निर्माण (ईपीसी) ठेका हासिल किया है। यह कदम एक महत्वपूर्ण प्रयास का हिस्सा है जिसमें उर्जा क्षेत्र में नया जीवन प्रदान किया जा रहा है। यह सौर परियोजना राजस्थान के बीकानेर में स्थित होगी और उर्जा दक्षता को बढ़ाने तथा उत्पादन को अधिकतम करने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों व टिकाऊ समाधानों का इस्तेमाल किया जाएगा। इस परियोजना के माध्यम से प्रदेश में ऊर्जा क्षेत्र को एक नया दिशा प्रदान किया जाएगा जो भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस समाधान से मिलने वाला ऊर्जा उत्पादन देश में स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में एक नया उजागर कर सकता है जो आने वाले समय में अधिक विकास के दरवाजे खोल सकता है। इस समाचार ने उर्जा क्षेत्र में नए संभावनाओं का दरवाजा खोल दिया है और आगे और उत्कृष्टता की दिशा में एक प्रेरणा स्रोत माना जा रहा है। यह एक बड़ी उत्थान कथा का शुभारंभ हो सकता है जो देश के उर्जा स्वायत्तता की दिशा में नए मील का पत्थर साबित हो सकता है।

चाय के दाम में बढ़ोतरी की संभावना, 2024 में उत्पादन में 10 करोड़ किलो की गिरावट का अनुमान

नई दिल्ली । चायपत्ती के दाम में बढ़ोतरी होने की संभावना है। नवंबर के बाद चाय के बागान बंद होने से

उत्पादन में गिरावट का सामना करना पड़ रहा है। बताया गया है कि इस साल का प्रदर्शन अत्यंत शानदार नहीं है। उत्पादन में कमी के चलते, मामूली लाभ हो सकता है। चाय उत्पादन की गिरावट के पीछे विभिन्न कारण हैं, जैसे मौसम की अनियमितता, फसल उत्पादन में अस्थिरता, और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव। चाय उत्पादन क्षेत्रों में तापमान की ऊँचाई और वर्षा की अनियमितता ने उत्पादन पर बहुत बुरा प्रभाव डाला है। भारतीय चाय संघ के एक अधिकारी ने इसे भारतीय चाय उत्पादन के लिए एक चुनौती कहा। उन्होंने कृषि विज्ञान के माध्यम से मृदा की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए अधिक प्रयासों की आवश्यकता बताई।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में मिलाजुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बड़ी गिरावट का शिकार हो गए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान बिकवाली का दबाव बना रहा। एशियाई बाजारों में मिलाजुला कारोबार होता दिख रहा है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान चौतरफा बिकवाली होती रही, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक कमजोरी के साथ बंद हुए। पिछले सत्र के दौरान डाउ जॉन्स 400 अंक से ज्यादा की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 1.07 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,906.94 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 238.44 अंक यानी 1.21 प्रतिशत टूट कर 19,483.59 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ 42,550.89 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।अमेरिकी बाजार की तरह यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.35 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,121.01 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.57 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,313.56 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.38 प्रतिशत फिसल कर 19,909.14 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में मिलाजुला कारोबार होता नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 4 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। जापान, कोरिया और थाईलैंड के स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से निक्केई इंडेक्स, कोस्पी इंडेक्स और सेट कंपोजिट इंडेक्स में कोई हलचल नहीं है। अभी तक के कारोबार में हैंग सेंग इंडेक्स 0.38 प्रतिशत की मजबूती के साथ 20,117.06 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.62 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,079.90 अंक के स्तर तक पहुंच गया है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 144 अंक यानी 0.60 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,692 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 166.10 अंक यानी 0.72 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,024.10 के स्तर तक पहुंच गया है। इसके अलावा स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.20 प्रतिशत फिसल कर 3,788.24 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.60 प्रतिशत टूट कर 3,387.15 अंक के स्तर पर कारोबार करते नजर आ रहे हैं।

नए साल के स्वागत में शिमला में पर्यटकों की संख्या में इजाफा

शिमला

नए साल के आगमन का स्वागत करने के लिए शिमला में पर्यटकों की संख्या में इजाफा देखा जा रहा है। बर्फबारी का मजा लेने के लिए शहर के होटल और रिसॉर्ट्स में बुकिंगें हो गई हैं और होटल मालिकों का कहना है कि 31 दिसंबर तक होटल शायद पूरी तरह से भरे जा सकते हैं। यहां पर्यटक नए साल के मौके पर बर्फबारी का मजा लेने आ रहे हैं, लेकिन कुछ उपरोक्त पर्यटकों को बर्फबारी में देरी की खबर थोड़ा निराश कर रही है।

बर्फबारी का मजा लेने के लिए शहर के होटल और रिसॉर्ट्स में बुकिंग हुई

दिल्ली के दिलशाद गार्डन से आए एक पर्यटक ने बताया कि हम शिमला न्यू ईयर मनाने के लिए आए थे और जब यहां पहुंचे थे, तो बर्फबारी हो रही थी। हम यहां क्रिसमस का जश्न नहीं मना पाए, लेकिन अब न्यू ईयर का जश्न मनाने के लिए आए हैं। माल रोड पर बहुत भीड़ है, लोग यहां घूमने आ रहे हैं। बर्फबारी की उम्मीद अगले दो-तीन दिन में जताई जा रही है, लेकिन फिलहाल हमें कोई आस नजर नहीं आ रही।

हम 2-3 जनवरी तक यहां रुकेंगे, फिर दिल्ली लौट जाएंगे। हरिद्वार से शिमला पहुंचे पर्यटक ने कहा कि यहां आकर बहुत अच्छा लग रहा है। हम अपने दोस्तों के साथ यहां आनंद ले रहे हैं। बर्फबारी की उम्मीद थी, लेकिन अभी तक नहीं हो रही। हम बर्फबारी का इंतजार कर रहे हैं और उम्मीद करते हैं कि जल्द ही यह देखने को मिले। शिमला का माहौल इस समय बेहद उत्साहपूर्ण है, और पर्यटक यहां के ठंडे मौसम, ताजगी और खूबसूरत दृश्य का पूरा लुत्फ उठा रहे हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था में सुधार की उम्मीद आगे बेहतर रहेगी: आरबीआई गवर्नर

नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने जीडीपी वृद्धि दर में हालिया सुस्ती के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था की संभावनाएं बेहतर होने की उम्मीद जताई है। मल्होत्रा ने आरबीआई की वित्तीय स्थायित्व रिपोर्ट में दिया यह बयान। उन्होंने कहा कि उपभोक्ता और कारोबारी विश्वास उच्च बना हुआ है, जिससे अर्थव्यवस्था को रफ्तार मिलेगी।

मल्होत्रा ने रिपोर्ट में इस विश्वास को दर्शाया है कि 2024-25 की पहली छमाही में आर्थिक गतिविधियों की रफ्तार सुस्त रहने के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था की संभावनाओं में सुधार की उम्मीद है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर घटकर 5.4 फीसदी रह गई।

मल्होत्रा ने आगामी वर्ष के लिए उपभोक्ता और कारोबारी विश्वास को देखते हुए और निवेश परिदृश्य के सुधार का मार्ग दिखाया है। भरपूर व्यापारिक गतिविधियों की तेजी के कारण 2024-25 की तीसरी और चौथी तिमाही में वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर में सुधार की उम्मीद

खाद्य कीमतों में नरमी से नवंबर में मुद्रास्फीति को 5.5 फीसदी तक सीमित करने में मदद मिली

जताई गई है। मुद्रास्फीति के मामले में, रिपोर्ट ने बताया कि खाद्य कीमतों में नरमी के कारण नवंबर में समग्र मुद्रास्फीति को 5.5 फीसदी तक सीमित करने में मदद मिली है। हालांकि मुख्य मुद्रास्फीति मई 2024 के बाद 64 आधार अंकों की बढ़त के साथ नवंबर में 3.7 फीसदी हो गई है।

रिपोर्ट में दिखाई गई यह उम्मीद है कि खाद्यान्न की कीमतों में आने वाली नरमी से मुद्रास्फीति पर असर पड़ेगा।संजय मल्होत्रा ने दावा किया कि रिजर्व बैंक वित्तीय संस्थानों की स्थिरता को बरकरार रखने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। उन्होंने भारतीय वित्तीय क्षेत्र की मजबूती की स्तुति भी की और कहा कि वित्तीय प्रणाली के बल मिल रहे हैं।

भारत को शिक्षा खर्च बढ़ाकर जीडीपी 6 फीसदी करने की जरूरत: सीआईआई

भारत में माध्यमिक स्कूलों में नामांकन दर की भी चिंता

नई दिल्ली

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने हाल ही में एक रिपोर्ट जारी की है जिसमें उन्होंने बताया कि भारत को शिक्षा पर जीडीपी का 6 फीसदी खर्च करना चाहिए। इसके लिए उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों से भारत का शिक्षा पर खर्च जीडीपी के 2.7 से 2.9 फीसदी तक ही रही है, जबकि विकसित देशों में यह खर्च 5 से 7 फीसदी तक है। भारत में माध्यमिक स्कूलों में नामांकन दर की भी चिंता है। यहां नामांकन दर 79.6 फीसदी है, जो अन्य देशों के मुकाबले कम है।

उदाहरण के लिए, ब्रिटेन, स्वीडन, और यूएसए में यह दर 98 से 100 फीसदी के बीच है। सीआईएआई की रिपोर्ट में इसके साथ ही बताया गया है कि भारत को चीन, ऑस्ट्रेलिया, स्वीडन, और यूके के मॉडल से अधिक सीखने की आवश्यकता है। रिपोर्ट के अनुसार भारत को अपने शिक्षा बजट को बढ़ाकर, वैश्विक मानकों के

अनुरूप लाने की जरूरत है। स्वीडन और अमेरिका जैसे देशों ने अपने शिक्षा पर निवेश को बढ़ाया है, और सीआइआइ का मानना है कि भारत को भी इस दिशा में कदम उठाना चाहिए। शिक्षा पर उचित निवेश न करने से वैश्विक मानकों के हिसाब से सुधार मुश्किल हो सकता है। इस रिपोर्ट ने स्पष्ट किया है कि भारत को अपने शिक्षा क्षेत्र में निवेश में बदलाव की जरूरत है ताकि हम विकसित देशों के साथ टकराव कर सकें और एक उचित शिक्षा व्यवस्था को बनाए रख सकें।

साल के आखिरी दिन सर्राफा बाजार में तेजी से महंगा हुआ सोना, चांदी की भी चमक बढ़ी

नई दिल्ली

साल 2024 के आखिरी दिन घरेलू सर्राफा बाजार में तेजी नजर आ रही है। सोने के भाव में आई कमजोरी की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 78,150 रुपये से लेकर 78,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 71,650 रुपये से लेकर 71,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी 200 रुपये प्रति किलोग्राम की मजबूती नजर आ रही है। इस तेजी के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 92,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 78,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,650 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 78,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 78,050 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,550 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 78,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,500 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 78,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 78,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 78,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 78,150 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 78,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 71,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

बुमराह, रुट सहित चार खिलाड़ी आईसीसी के सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर के लिए नामांकित

दुबई

भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के साल के सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर के लिए नामांकित किया गया है। बुमराह के अलावा इस पुरस्कार की दौड़ में ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड और इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट और हैरी ब्रुक भी हैं। बुमराह ने टी20 विश्वकप के आठ मैचों में 15 विकेट लिए, जिसमें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में लिए दो विकेट भी शामिल हैं, जिससे भारतीय टीम 2024 टी20 विश्व कप में अपराजेय रही है।

बुमराह ने 13 टेस्ट मैचों में 71 विकेट लेकर टेस्ट प्रारुप में भी शानदार रिकार्ड बनाया है। ऑस्ट्रेलिया में चल रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में बुमराह 12.83 की औसत से 30 विकेट लेकर सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में सबसे आगे हैं। उन्होंने 200 टेस्ट विकेट भी पूरे किये हैं। वह 20 से कम औसत के साथ यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले गेंदबाज हैं।

वहीं बल्लेबाजी की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड ने भी सभी प्रारूपों में अच्छा प्रदर्शन किय है। 2023 आईसीसी विश्व कप फाइनल के बाद से ही हेड जबरदस्त फॉर्म में हैं। उन्होंने 2024 टी20 विश्व कप में सात पारियों में 255 रन बनाये थे। इसके अलावा टेस्ट प्रारुप की बात करें तो मौजूदा बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाला खिलाड़ी बने हैं।

वहीं इंग्लैंड के प्रमुख बल्लेबाज रूट भी पुरस्कार की दौड़ में शामिल हैं। रुट ने 17 टेस्ट में 55.57 की औसत से 1556 रन बनाए हैं। इससे पहले साल 2021 में उन्होंने 1708 रन बनाये थे। छह टेस्ट शतकों और पांच अर्द्धशतकों के साथ, रूट भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर राहुल द्रविड़ के साथ टेस्ट में संयुक्त रूप से पांचवें सबसे ज्यादा 36 शतक बनाने वाला बल्लेबाज बने हैं। रूट ने भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज में चार विकेट भी लिए हैं। इंग्लैंड के ही युवा क्रिकेट हैरी ब्रूक भी साल के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में शामिल हैं। हैरी ने ने 12 टेस्ट में 55 की औसत से 1100 रन बनाए, जिसमें तीन अर्द्धशतक और चार शतक शामिल हैं। जिसमें एक तिहरा शतक भी है।

न्यूज ब्रीफ

फुटबॉलः लिवरपूल के साथ नए अनुबंध से दूर हैं मोहम्मद सलाह

लंदन। लिवरपूल के फॉरवर्ड मोहम्मद सलाह का कहना है कि वह अपनी टीम को प्रीमियर लीग का खिताब जीतने में मदद करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, लेकिन मानते हैं कि वह अभी भी एक नया अनुबंध करने से दूर हैं। मिस्र के इस खिलाड़ी ने सीजन का अपना 20वां गोल किया और रविवार को वेस्ट हैम के खिलाफ लिवरपूल की 5-0 की जीत में कोडी गाकपो को दूसरा गोल करने में मदद की, जिससे वे अंक तालिका में शीर्ष पर आठ अंकों की बढ़त बना सके। हालांकि, जून के अंत में उनका अनुबंध समाप्त होने वाला है, लेकिन सलाह ने अभी तक एक नए अनुबंध के लिए सहमति नहीं दी है और जब खेल के बाद टीवी साक्षात्कार में उनके भविष्य के बारे में पूछा गया, तो मिस्र के फॉरवर्ड ने स्वीकार किया कि वह और क्लब अभी भी उससे बहुत दूर हैं। सलाह ने कहा, मैं मीडिया में कुछ भी नहीं बताना चाहता...मेरे दिमाग में बस यही बात है कि मैं चाहता हूं कि लिवरपूल लीग जीते और मैं उसका हिस्सा बनना चाहता हूं। मैं टीम को ट्रॉफी जिताने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगा। कुछ अन्य टीमें भी हमसे आगे निकल रही हैं और हमें अपना ध्यान केंद्रित रखना होगा और विनम्र होकर फिर से आगे बढ़ना होगा। सलाह अच्छी फॉर्म मे हैं, क्योंकि लिवरपूल ने अपना शानदार सीजन जारी रखा और रविवार को वेस्ट हैम यूनाइटेड के खिलाफ 5-0 की जीत के साथ प्रीमियर लीग के शीर्ष पर अपनी बढ़त मजबूत की।

एसी मिलान के नए मुख्य कोच नियुक्त हुए कोन्सेइकाओ

रोम। इतालवी सीरी ए क्लब एसी मिलान ने सोमवार को सर्जियो कोन्सेइकाओ को अपना नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। यह नियुक्ति उनके पुर्तगाली हमवतन पाउलो फोंसेका के पद छोड़ने के कुछ घंटों बाद की गई है। रोमा के पूर्व कोच फोंसेका ने इस ग्रीष्मकाल में क्लब के कोच का पद संभाला था, लेकिन उनकी टीम की असंगतता के लिए आलोचना की गई थी, क्योंकि एसी मिलान एक मैच शेष रहते लीग में केवल आठवें स्थान पर है, जबकि सात बार के चैम्पियंस लीग विजेता ने यूरोपीय शीर्ष अभियान की शुरुआत लगातार दो हार के साथ की थी, लेकिन अब वह लगातार चार जीत के साथ लय में है। इटली के कुछ आउटलेट्स के अनुसार, क्लब ने रविवार को रोमा के साथ एसी मिलान के सीरी ए गेम के शुरू होने से पहले ही यह निर्णय ले लिया था, जो अंततः 1-1 से बराबरी पर समाप्त हुआ। कोन्सेइकाओ ने पोर्टो की बेंच पर सात सीजन के साथ अपना कोचिंग स्पेल शुरू करने से पहले, एक पेशेवर के रूप में लाज़ियो और इंटर मिलान के लिए खेला था। 50 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने नए क्लब के साथ जून 2026 तक का करार किया है और वह शुक्रवार को जुवेंटस के साथ सुपरकोपा इटालियाना के सेमीफाइनल में पदार्पण करने के लिए तैयार हैं। दिलचस्प बात यह है कि कोन्सेइकाओ के बेटे फ्रांसिस्को बियानकोनेरी की टीम में हैं।

महिला विश्व ब्लिट्ज़ चैंपियनशिप 2024: वैशाली ने नॉकआउट चरण के लिए किया क्वालीफाई

नई दिल्ली। ग्रैंडमास्टर आर. वैशाली ने मंगलवार को बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए न्यूयॉर्क में अपने पहले 10 मैचों में से आठ जीतकर महिला विश्व ब्लिट्ज़ चैम्पियनशिप 2024 के नॉकआउट चरण के लिए क्वालीफाई कर लिया है। वैशाली दूसरे चरण के लिए क्वालीफाई करने वाली एकमात्र भारतीय भी थीं, क्योंकि हाल ही में विश्व रैपिड चैंपियन बनी कोनेरू हम्पी शीर्ष आठ में जगह बनाने से चूक गईं और 8.0/11 के साथ नौवें स्थान पर रहीं। चीन की लेई टिंगजी को छोड़कर, जो 8.5 अंकों के साथ वैशाली के बाद दूसरे स्थान पर रहीं, अन्य सभी योग्य खिलाड़ियों को हम्पी के बराबर अंक मिले। हालांकि, भारतीय खिलाड़ी का टाईब्रेक सबसे खराब रहा, जिसके कारण वह क्वालीफिकेशन स्पॉट से बाहर हो गईं। दिव्या देशमुख, वंतिका अग्रवाल और हरिका द्रोणावल्ली 11 राउंड में सात-सात अंक लेकर क्रमशः 18वें, 19वें और 22वें स्थान पर रहीं।

दिग्गज भारतीय फुटबॉलर सुनील छेत्री ने दो दशक के शानदार करियर के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल को कहा अलविदा

नई दिल्ली

भारतीय फुटबॉल के ध्वजवाहक सुनील छेत्री ने 2024 में अपने संन्यास की घोषणा की और दो दशकों से अधिक लंबे करियर को अलविदा कह दिया। भारत का प्रतिनिधित्व करने का सपना देखने वाले एक विनम्र लड़के से लेकर देश के सर्वकालिक सर्वोच्च स्कोरर और इसके सबसे सम्मानित फुटबॉल आइकन में से एक बनने तक, छेत्री की सर्वव्यापी सफलता वास्तव में उल्लेखनीय है।

छेत्री ने 2002 में मोहन बागान के लिए अपना पेशेवर पदार्पण किया, जहाँ वे 2005 तक खेले और 18 मैचों में आठ गोल किए। हालाँकि शुरुआती साल चुनौतीपूर्ण थे, लेकिन उनकी प्रतिभा ने जल्द ही भारत भर के बड़े क्लबों का ध्यान आकर्षित किया। पिछले कुछ सालों में, छेत्री ने जेसीटी (2005-08), ईस्ट बंगाल (2008-09), डेम्पो एफसी (2009-10), चिराग यूनाइटेड (2011), मोहन बागान (2011-12), चर्चिल ब्रदर्स (2013 लोन पर), बेंगलुरु एफसी (2013-15, 2016-वर्तमान) के लिए खेला और भारतीय क्लब फ़ुटबॉल में एक घरेलू नाम बन गए।

कुल मिलाकर, छेत्री ने अपने पूरे करियर में 365 क्लब मैचों में 158 गोल किए हैं।

उनकी अंतरराष्ट्रीय यात्रा 2005 में शुरू हुई, जब उन्होंने भारत के लिए पदार्पण किया और अपना पहला गोल किया। छेत्री का करियर 2008 एएफसी चैलेंज कप में एक उच्च बिंदु पर पहुंच गया, जहां ताजिकिस्तान के खिलाफ उनकी हैट्रिक ने 2011 एएफसी एशियाई कप के लिए भारत की योग्यता सुनिश्चित की। छेत्री ने विदेश में भी काम किया, 2010 में यूएसए के मेजर लीग सॉकर क्लब कैनसस सिटी विजार्ड्स और 2012-13 में पुर्तगाली क्लब स्पोर्टिंग सीपी के लिए खेला। इन अनुभवों ने उनके खेल को निखारने में मदद की और उन्हें अधिक बहुमुखी स्ट्राइकर बनाया।

भारतीय राष्ट्रीय टीम के कप्तान के रूप में, छेत्री के नेतृत्व कौशल ने खूब चमक बिखेरी। उनकी कप्तानी में, भारत ने वह अनुभव किया जिसे अब देश में आधुनिक फुटबॉल का स्वर्ण युग माना जाता है, जिसमें कई सैफ चैंपियनशिप और इंटरकॉन्टिनेंटल कप जीते गए। उनके निर्णायक क्षणों में से एक 2018 इंटरकॉन्टिनेंटल कप के दौरान आया, जहाँ उन्होंने सोशल मीडिया का उपयोग करके अधिक से अधिक प्रशंसकों का समर्थन प्राप्त करने की अपील की, सफलतापूर्वक हज़ारों लोगों को स्टेडियम में लाया और भारतीय फुटबॉल में रुचि बढ़ाई।

छेत्री ने 150 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 94 गोल किए हैं, जिससे वह अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में चौथे सबसे ज़्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। वह केवल लियोनेल मेसी (180 मैचों में 106 गोल) और क्रिस्टियानो रोनाल्डो (205 मैचों में 128 गोल) जैसे दिग्गजों से पीछे हैं।

अपने क्लब करियर में, छेत्री ने आई-लीग (डेम्पो के साथ 2009-10 और चर्चिल ब्रदर्स के साथ 2012-13) सहित कई पुरस्कार जीते, साथ ही बेंगलुरु एफसी के साथ भी कई खिताब जीते, जिनमें आई-लीग (2013-14, 2015-16), इंडियन सुपर लीग (2018-19), फेडरेशन कप (2014-15, 2016-17), सुपर कप (2018), और डूरंड कप (2022) शामिल हैं।

छेत्री को प्रतिष्ठित अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) प्लेयर ऑफ द ईयर के खिताब से सात बार (2007, 2011, 2013, 2014, 2017, 2018-19, 2021-22) और एफपीएआई इंडियन प्लेयर ऑफ द ईयर पुरस्कार से तीन बार (2009, 2018, 2019) सम्मानित किया गया है। उन्हें अर्जुन पुरस्कार (2011) और खेल रत्न पुरस्कार (2021) से सम्मानित किया जा चुका है, जो भारत का सर्वोच्च खेल सम्मान है। उनके नेतृत्व में, भारत 2018 के बाद पहली बार 2023 में फीफा रैंकिंग में शीर्ष 100 में पहुंचा।

छेत्री की यात्रा न केवल एक फुटबॉल स्टार की है, बल्कि अगली पीढ़ी के लिए एक प्रेरणा भी है, जो यह साबित करती है कि अथक समर्पण और कड़ी मेहनत से क्या हासिल किया जा सकता है।

एक कैलेंडर वर्ष में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले तीसरे खिलाड़ी बने यशस्वी जयसवाल

नई दिल्ली

भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल एक कैलेंडर वर्ष में भारत के लिए सबसे अधिक रन बनाने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए। उन्होंने सोमवार को यह उपलब्धि ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच चौथे टेस्ट के पांचवें और अंतिम दिन हासिल की। जयसवाल ने दूसरी पारी में 340 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 208 गेंदों पर 84 रनों की पारी खेली, जिसमें उन्होंने आठ चौके लगाए। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 40.38 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए। इस पारी के साथ ही खब्बू बल्लेबाज ने एक कैलेंडर वर्ष में 1478 रन पूरे कर लिए।

इस उपलब्धि को हासिल करने वाले अन्य भारतीय बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर हैं जिन्होंने 2010 में 1562 रन बनाए थे, सुनील गावस्कर ने 1979 में 1555 रन बनाए थे और वीरेंद्र सहवाग ने 2008 और 2010 में क्रमशः 1462 और 1422 रन बनाए थे। हालांकि यशस्वी जयसवाल की यह मैराथन पारी काम न आई और ऑस्ट्रेलिया ने यह मैच 184 रनों से जीत कर पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला में 2-1 की बढ़त हासिल कर ली। दोनों टीमो के बीच पांचवां और आखिरी टेस्ट 3 जनवरी से सिडनी में खेला जाएगा।

कमिंस ने हेड के जश्न को मजाक से ज्यादा नहीं बताया

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड ने बाक्सिंग डे टेस्ट के अंतिम दिन भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत का विकेट लेने के बाद अजीब तरीके से जश्न मनाया था। जिसके बाद से ही हेड के जश्न को लेकर सवाल उठ रहे थे। अब उसी जश्न का मतलब ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने बताया है। कमिंस ने मैच के बाद कहा कि मैंने उसका जश्न नहीं देखा पर ये एक मजाक भर था। उसकी उंगली इतनी गर्म है कि उसे बर्फ के कप में डालना पड़ा। यही वह जश्न से संकत दे रहा था। गाबा या कहीं और उसे एक विकेट मिला और वह सीधे फ्रिज के पास गया, बर्फ की एक बाल्टी उठाई, अपनी उंगली उसमें डाली और स्पिनर नाथन लियोन के सामने चला गया।

प्रीमियर लीग फुटबॉल

ब्रिटेन में प्रीमियर लीग फुटबॉल में इपसविक टाउन और चेलेसा के बीच मैच में खेलते हुए खिलाड़ी।

खो खो विश्व कप 2025 का शेड्यूल जारी, पहले मैच में 13 जनवरी को भारत का सामना नेपाल से

नई दिल्ली

खो खो विश्व कप 2025 का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। विश्व कप की शुरुआत 13 जनवरी 2025 को भारत और नेपाल के बीच इन्दिरा गाँधी इंडोर स्टेडियम में शाम 7 बजे से होगी।

खो खो वर्ल्ड कप आयोजन समिति के चेयरमैन सुधांशु मित्तल ने बताया की महिला वर्ग के फाइनल मुकाबले 19 जनवरी को शाम 7 बजे और पुरुष वर्ग के फाइनल मुकाबले 19 जनवरी को शाम 8.15 बजे इन्दिरा गाँधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित किये जायेंगे।

पुरुष और महिला टीमों को चार चार वर्गों में बांटा गया है। पुरुष वर्ग के ए ग्रुप में भारत, नेपाल, पेरू, ब्राज़ील और भूटान को रखा गया है। ग्रुप बी में दक्षिण अफ्रीका, घाना,

अर्जेंटीना, नीदरलैंड और ईरान को रखा गया है।

ग्रुप सी में बांग्लादेश, श्रीलंका, दक्षिण कोरिया, अमेरिका और पोलैंड को ग्रुप सी में रखा गया है, जबकि इंग्लैंड, जर्मनी, मलेशिया, ऑस्ट्रेलिया और केन्या ग्रुप डी में है।

महिला वर्ग में भारत, ईरान, मलेशिया और दक्षिण कोरिया ग्रुप ए में हैं। ग्रुप बी में इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, केन्या, युगांडा और नीदरलैंड की टीमें हैं, जबकि ग्रुप सी में नेपाल, भूटान भूटान , श्रीलंका,

जर्मनी और बांग्लादेश हैं। दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, पोलैंड ,पेरू और इंडोनेशिया ग्रुप डी में है। टूर्नामेंट में कुल 90 मैच होंगे।

दोनों वर्गों के क्वार्टर फाइनल मुकाबले 17 जनवरी को खेले जाएंगे। सेमीफाइनल मुकाबले 18 जनवरी को और फाइनल 19 जनवरी को होंगे।

वर्ष 2024 की चार सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर राचेल हेहो फ्लिंट ट्रॉफी के लिए नामित

दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सोमवार को चार सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटरों को राचेल हेहो फ्लिंट ट्रॉफी के लिए नामांकित किया है। इन चार महिला क्रिकेटरों में तीन ऑलराउंडर और एक बल्लेबाज शामिल है।

चार नामांकित खिलाड़ियों में एक दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाज लौरा वोल्वार्ड्ट हैं, जिन्होंने एक वर्ष कैलेंडर में असाधारण प्रदर्शन किया है। उन्होंने सभी प्रारूपों की कप्तान के रूप में आगे बढ़कर नेतृत्व किया और लगातार बल्ले से अच्छा प्रदर्शन किया। वोल्वार्ड्ट ने एकदिवसीय में उन्होंने 87.12 की औसत से 697 रन बनाए, जिसमें उनका उच्चतम स्कोर 184* था। जबकि टेस्ट में उन्होंने 37.16 की

औसत से 223 रन बनाए, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 122 था। टी20 में उनका प्रदर्शन भी उतना ही प्रभावशाली रहा। 39.58 की औसत से 673 रन बनाए, जिसमें 102 का उच्चतम स्कोर भी शामिल है।

वहीं, श्रीलंका की सभी प्रारूपों की कप्तान चमारी अथापथु के लिए बल्ले और गेंद दोनों से यह वर्ष असाधारण रहा। उन्होंने नौ वनडे मैचों में 65.42 की औसत से 458 रन बनाए, जिसमें उनका उच्चतम स्कोर 195 रहा और उन्होंने 9 विकेट भी लिए। ञ्ज20 में उन्होंने 40 की औसत से 720 रन बनाए और 21 विकेट लिए। पोटचेफस्ट्रूम में एकदिवसीय मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अथापत्थू की नाबाद 195 रन की पारी खेली थी, जो महिला वनडे इतिहास में तीसरा सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर बन गया। इसके अतिरिक्त, वह जुलाई में महिला एशिया कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहीं, जिससे श्रीलंका ने 304 रन और तीन विकेट के साथ अपना पहला खिताब जीता।

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी एनाबेल सदरलैंड ने खुद को 50 ओवर के प्रारूप में प्रमुख ऑलराउंडरों में से एक के रूप में स्थापित किया है। उन्होंने एक टेस्ट मैच में 210 के उच्चतम स्कोर के साथ 210 रन बनाए और 5 विकेट लिए। वनडे में उन्होंने 52.71 की औसत से 369 रन बनाए, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 110 रहा और उन्होंने 13 विकेट लिए हैं। न्यूजीलैंड की ऑलराउंडर मेली केर ने इस कैलेंडर वर्ष में अपने प्रदर्शन से टीम के लिए कई रिकॉर्ड कायम किए। जिसमें न्यूजीलैंड को पहली बार महिला टी20 विश्व कप का खिताब दिलाना और एक कैलेंडर वर्ष में सबसे अधिक महिला टी20 विकेट लेने का राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्थापित करना प्रमुख है। उन्होंने नौ वनडे मैचों में 33 की औसत से 264 रन बनाए और 14 विकेट लिए। वहीं, उन्होंने 24.18 की औसत से 387 रन बनाए और 29 विकेट लिए।

Laying of foundation stone for

Modernisation of Assam State Zoo Cum Botanical Garden

by

Dr Himanta Biswa Sarma
Chief Minister, Assam

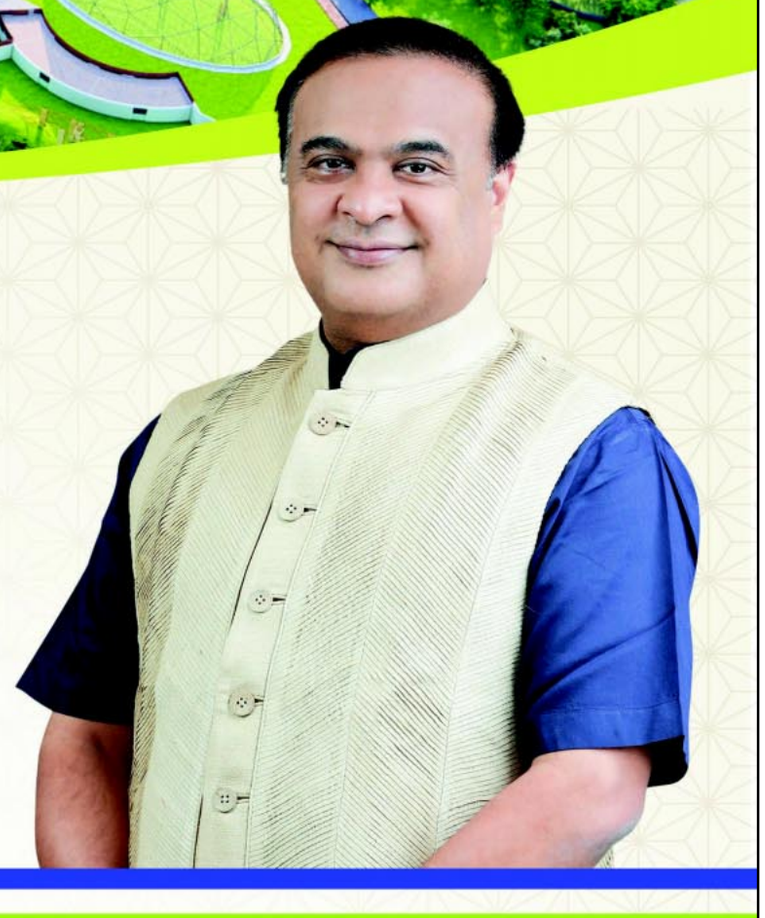

In august presence of

Shri Chandra Mohan Patowary
Minister, Environment and Forest, Assam

1 January 2025 | 3 pm

Assam State Zoo Cum Botanical Garden, Zoo Road, Guwahati

Project Features

Project cost ₹362.04 crore

In the offing
A world-class facility with dedicated **animal zones** and **green areas**

World class experience
- **Underwater viewing** of animals
- **Large aviary** with geodesic dome
- Glass enclosures with **shaded walkways**
- **QR-coded information boards**

Animal welfare
- Naturalistic enclosures
- **Bigger space for animals**
- Rescue cum quarantine centres
- Modern **veterinary hospital**

Visitors' delight
- **Automatic** entry-exit
- Recreational zone
- **Jurassic Theme Park**
- Disabled friendly walkways

Green infrastructure
- **Natural water reservoirs**
- Orchid garden and nursery
- **300 capacity auditorium**
- Modern museum

-- Janasanyog /D/11254/24/1-Jan-25

The modernisation project is envisaged to ensure **better living conditions** and care for animals, enhance visitor's experience and **increase footfall** at the largest zoo cum botanical garden **in the North East**

Published by **Directorate of Information and Public Relations, Assam** | Connect with us @diprassam | dipr.assam.gov.in